शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 330 | गुवाहाटी | सोमवार, 6 जुलाई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रामलीला समितियां भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की सशक्त ... पेज 2

एक लाख पौधों और दलहन बीजों के वितरण का शुभारंभ राज्य में ... पेज 3

अब राजनीति में सफल होने के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी : सतीश महाना पेज 5

अब डूरंड कप में खेलते दिखेंगे अभिनेता टाइगर श्राफ पेज 7

अगले पांच साल का विजन तय करेगा बजट 2026-27

लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने पर दिया जाएगा जोर : सीएम

गुवाहाटी। भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के नए कार्यकाल के तहत पेश किए जाने वाले पहले बजट में हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार की अगले पांच वर्षों की योजना का विवरण होगा। कल के बजट सत्र से पहले आयोजित कैबिनेट बैठक के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बजट विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा द्वारा जारी संकल्प पत्र (घोषणापत्र) के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा कि यह हमारी पंचवर्षीय योजना है। ठीक 2021 की तरह, तब हमने एक वर्ष की बात नहीं की थी, बल्कि अगले पांच वर्षों की बात की थी। बजट में हमारे घोषणापत्र के अनुसार सरकार की पंचवर्षीय योजना प्रस्तुत की जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि बजट में किन क्षेत्रों को सबसे अधिक प्रोत्साहन मिलेगा, तो शर्मा ने सीधे तौर पर जवाब नहीं दिया, लेकिन उन्होंने कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा, उद्योग, लघु एवं मध्यम उद्यम, रोजगार और स्वयं सहायता समूहों आदि की ओर इशारा किया। उन्होंने दोहराया कि यह अगले पांच वर्षों के लिए एक आर्थिक दृष्टिकोण होगा। 21 दिवसीय बजट सत्र में आगे क्या होने वाला है, इसकी एक झलक पेश करते हुए, मंत्रिमंडल ने उसी दिन असम एमएसएमई स्थापना और संचालन सुविधा विधेयक 2026 को मंजूरी दे दी। विधेयक के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु उद्यम अब पहले तीन वर्षों तक सरकारी अनुमति के बिना अपनी सुविधाएं स्थापित कर सकेंगे, जिसे उन्होंने लघु उद्यमियों की मदद की दिशा में एक कदम बताया। उन्होंने कहा कि वे नियमों का पालन करते हुए आवेदन दाखिल करेंगे। आवेदन सरकार तक पहुंचे या न पहुंचे, वे अपनी इकाइयां शुरू कर सकेंगे। केवल लघु उद्योग ही ऐसा कर सकेंगे, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग नहीं। उन्होंने आगे कहा कि यदि कोई औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत किसी जिले में उद्योग स्थापित करने का प्रस्ताव रखता है, तो उद्योग विभाग द्वारा एकल-खिड़की मंजूरी के माध्यम से सभी अनुमतियां प्रदान की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लेकिन यदि प्रस्तावित उद्योग किसी औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत नहीं है, तो उन्हें सभी आवश्यक विभागों से अनुमति लेनी होगी। यह छूट केवल औद्योगिक संपदाओं के अंतर्गत प्रस्तावित उद्योगों के लिए है। उन्होंने यह भी कहा कि यह छूट असम ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (संशोधन) अधिनियम के तहत दी गई है और प्रशासन में लालफीताशाही को समाप्त करने के लिए इसे मंजूरी दी गई है।

बजट सत्र से असम विस की आधिकारिक भाषाओं में शामिल की जाएगी हिंदी : दास

गुवाहाटी। असम विधानसभा के इतिहास में पहली बार राष्ट्रभाषा हिंदी भाषा को विधानसभा के कामकाज में शामिल किया गया है। यह पहल असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास के नेतृत्व में की गई है। असमिया, अंग्रेजी और बोड़ो भाषाओं के साथ हिंदी भाषा 6 जुलाई से 16वीं असम विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन से आधिकारिक रूप से विधायी कामकाज में शामिल की जाएगी। दास ने बताया कि हिंदी भाषा को शामिल करने का निर्णय असम विधानसभा की सामान्य प्रयोजन समिति की बैठक में लिया गया, जो शनिवार को उनके अध्यक्षता में हुई थी। असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमारदास ने रविवार को कहा कि बैठक में संसदीय मामलों के मंत्री पिजुश हजारिका, मंत्री केशब महंत, विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी, विधायक कमलाक्ष्य डे पुरकायस्थ, सबहराम -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस से बोड़ो भाषा के उपयोग को वापस लेने का कोई प्रस्ताव नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने स्पष्ट किया है कि असम विधानसभा की कार्यवाही अथवा अन्य आधिकारिक कार्यों में बोड़ो भाषा के उपयोग को वापस लेने का कोई प्रस्ताव नहीं लिया गया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर असम विधानसभा के अध्यक्ष के हवाले से कहा कि राज्य सरकार बोड़ो भाषा के संरक्षण और उसके व्यापक प्रसार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बोड़ो भाषा असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पहचान का अभिन्न हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष के उद्धरण के माध्यम से इस विषय पर फैली सभी अटकलों को खारिज करते हुए सरकार की स्पष्ट स्थिति सामने रखी।

वीबी-जी-राम-जी योजना के तहत पहली किस्त जारी, असम को मिले 603.96 करोड़ रुपए

गुवाहाटी/नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रविवार को विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी-राम-जी) के कार्यान्वयन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 25,863 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की, जिसमें असम को नई ग्रामीण रोजगार योजना के तहत 603.96 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। इस योजना की *मूल स्वीकृति* के तहत जारी की गई धनराशि की घोषणा केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के दौरान की, जिसमें वीबी-जी-आरएएम-जी के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि पहली किस्त का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्यों के पास -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
विद्या ही निर्धन का धन है।
- आचार्य चाणक्य

नारद जयंती समारोह में 17 पत्रकारों को मिला *नारद सम्मान-2026*

कोलकाता (हि.स.)। विश्व संवाद केंद्र दक्षिण बंग प्रांत समिति की ओर से आयोजित *नारद जयंती उत्सव एवं नारद सम्मान-2026* समारोह में पत्रकारिता की नैतिकता, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रहित पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति में कुल 17 पत्रकारों को *नारद सम्मान-2026* से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि तथा पश्चिम बंगाल सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. कल्याण चक्रवर्ती रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ देवर्षि नारद की स्तुति से हुआ। डॉ. राकेश दास ने नारद स्तोत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद अतिथियों का चंदन तिलक एवं पुष्पांजलि के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन देवाशीष अय्यर और -शेष पृष्ठ दो पर

दो दिवसीय ब्रिक्स एंटी-ड्रग एजेंसियों की बैठक की मेजबानी करेगा गुवाहाटी

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत 6-7 जुलाई को गुवाहाटी में ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक की मेजबानी करेगा। इसमें ब्रिक्स सदस्य देशों की मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों के प्रमुख तथा वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। बैठक का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच संस्थागत निरंतरता को सुदृढ़ करना तथा मादक पदार्थ नियंत्रण एजेंसियों के बीच ऑपरेशनल स्तर पर सहयोग को और बढ़ावा देना है। वैश्विक मादक पदार्थ तस्करी का परिदृश्य पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदला है। सिंथेटिक ड्रग्स, न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस (एनपीएस), डार्कनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी तथा क्रिप्टोकरेंसी आधारित वित्तीय लेन-देन जैसी प्रवृत्तियों ने जटिल अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां उत्पन्न की हैं। वहीं दूसरी ओर, अवरोधन प्रौद्योगिकियों (इंटरडक्शन टेक्नोलॉजीज), डेटा एनालिटिक्स और वित्तीय खुफिया तंत्र में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वित प्रवर्तन कार्रवाई के नए अवसर भी प्रदान किए हैं। भारत ब्रिक्स देशों की इस बैठक को संवाद-केंद्रित मंच से आगे बढ़ाकर एक स्ट्रक्चर्ड और परिणामोन्मुख सहयोगी व्यवस्था में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

गुवाहाटी के पार्कों और पर्यटन स्थलों के प्रवेश शुल्क में वृद्धि

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी नगर प्रशासन ने शहर के विभिन्न पार्कों, उद्यानों और पर्यटन स्थलों के प्रवेश शुल्क में संशोधन किया है। नई दरें रविवार से प्रभावी हो गई हैं। नई दरों के अनुसार, सती राधिका शांति उद्यान में प्रवेश के लिए अब 60 रुपए, पानबाजार स्थित ब्रह्मपुत्र रिवर फ्रंट के लिए 60 रुपए, नेहरू पार्क के लिए 30 रुपए, -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की पासपोर्ट रैंकिंग गिरी 100 की सूची से भी हुआ बाहर

नई दिल्ली। ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में भारत 125वें स्थान पर खिसक गया है। पिछले साल थोड़ी बेहतरी के बावजूद यह टॉप 100 से बाहर ही रहा। 2021 और 2023 के बीच 127वें स्थान से 2025 में 124वें स्थान पर पहुंचने के बाद देश की रैंकिंग एक बार फिर गिरी है और अब यह केवल 26 जगहों पर बिना वीजा के जाने की सुविधा देता है। भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग नामीबिया से नीचे और फिलीपींस, मोरक्को और उज्बेकिस्तान जैसे देशों के पीछे है, जबकि यह अजरबैजान और किर्गिस्तान से आगे है। भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और जबरन वसूली के खिलाफ अभियान तेज करते हुए चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (पी) का एक सक्रिय सदस्य भी शामिल है। इसके अलावा चंदेल और थौबल जिलों में चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, तीन जुलाई को इंफाल पूर्व जिले के मणिपुखरी क्षेत्र से प्रतिबंधित यूएनएलएफ (पी) के सक्रिय सदस्य चंदम गीतचंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। उस पर जबरन वसूली में शामिल होने का आरोप है। पुलिस का दावा है कि वह पाओना बाजार क्षेत्र में एक इमारत में ठहरा हुआ था, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। इसी तरहह से चंदेल जिले के मोलचाम थाना क्षेत्र के मोम्बी गांव और थौबल जिले के हीरोक थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 13 -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे से पहले कोलकाता में तनाव

कोलकाता। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के सोमवार के कोलकाता दौरे से ठीक पहले पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। उत्तर कोलकाता के सुकिया स्ट्रीट स्थित राममोहन लाइब्रेरी के सामने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और गोपाल मुखर्जी (गोपाल पाठा) की प्रस्तावित प्रतिमाओं के लिए बनाए गए चबूतरे और शिलापट्ट में अज्ञात लोगों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने से राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। भाजपा ने इसे सुनियोजित साजिश बताते हुए तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है, जबकि पुलिस ने -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान : सेना के ट्रक और एम्बुलेंस में टक्कर, तीन की मौत

श्रीगंगानगर (हि.स.)। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ क्षेत्र में आज सुबह नेशनल हाइवे-62 पर सेना के ट्रक और एक निजी एम्बुलेंस के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में एम्बुलेंस में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। यह हादसा -शेष पृष्ठ दो पर

यूरिया, डीएपी और सल्फर ला रहे 15 जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे : सरकार

नई दिल्ली (हि.स)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एक बड़ी राहत की खबर है। यूरिया, डीएपी और सल्फर ला रहे 15 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर चुके हैं। ये जहाज भारत के बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में हाल के संघर्ष से भारत की उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला पर अधिक असर नहीं पड़ा है। देश के लिए उर्वरक और कच्चा माल लाने वाले 20 में से 15 जहाज सुरक्षित होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 8 जहाजों में 3.32 लाख टन यूरिया, चार जहाजों में 2.57 लाख टन डीएपी और 3 जहाजों में 1.11 लाख टन सल्फर है। ये सभी निर्धारित समय के अनुसार भारतीय बंदरगाहों पर आ रहे हैं। वहीं, 5 और जहाज आने वाले हैं, जिनमें से एक जहाज में 0.25 लाख टन अमोनिया और दूसरे में 0.45 लाख टन यूरिया है। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अभी दो और यूरिया जहाजों और एक सल्फर जहाज पर माल लादा जा रहा है। उम्मीद है कि -शेष पृष्ठ दो पर

अली खामेनेई की प्रार्थना सभा में नहीं नजर आए उत्तराधिकारी मोजतबा

तेहरान (हि.स.)। अमेरिका-इजराइल के एकीकृत सैन्य अभियान में इस वर्ष 28 फरवरी को मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता 86 वर्षीय अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम समारोह की रस्में शुरू हो चुकी हैं। रविवार को प्रार्थना सभा में लाखों लोगों ने हिस्सा लिया। दिवंगत सर्वोच्च नेता के तीन बेटे मसूद, मुस्तफा और मेसम जरूर इस मौके पर मौजूद रहे, लेकिन अली खामेनेई के उत्तराधिकारी और उनके पुत्र मोजतबा खामेनेई इस दौरान नजर नहीं आए। सारी दुनिया की निगाह मोजतबा के सार्वजनिक रूप से सामने आने पर लगी हुई हैं। अरब न्यूज, अल जजीरा, गल्फ न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख अहमद वाहिदी सोमवार को ग्रैंड मोसाला पहुंचे। उन्होंने अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह के दूसरे दिन शोक मनाने वालों के साथ प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया। उम्मीद थी कि वाहिदी के साथ देश सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई भी पहुंच सकते हैं, मगर ऐसा नहीं हुआ। ईरान में रविवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। आज तेहरान में जुलूस निकला है। खामेनेई के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

भारी मात्रा में याबा टैबलेट समेत तीन गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के बिलासीपारा में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए मूल्य की याबा टैबलेट की खेप बरामद की है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर तिलापाड़ा के महिषबाथान इलाके में की गई। जानकारी के अनुसार, मणिपुर की राजधानी इंफाल से धुबड़ी ले जाई जा रही लगभग 24 हजार याबा टैबलेट पुलिस ने जब्त की। शालकोचा और चापर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त अभियान चलाकर इस तस्करी का भंडाफोड़ किया। मामले में तीन कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरकाटा निवासी अमीनुर इस्लाम, मशकागुड़ी निवासी जयनुद्दीन अली तथा सुवापाटा निवासी रबिउल इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से याबा टैबलेट के अलावा कई मोबाइल फोन, अन्य सामान तथा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बोलेरो वाहन भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, बरामद याबा टैबलेट की अनुमानित बाजार कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपए है। मामले की आगे की जांच जारी है।

रामलीला समितियां भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की सशक्त वाहक : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि देशभर की रामलीला समितियां भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की सशक्त वाहक हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला आज संसद भवन में श्री रामलीला महासंघ के नेतृत्व में दिल्ली की रामलीलाओं के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान रामलीला महासंघ की ओर से अर्जुन कुमार एवं सुभाष गोयल ने ओम बिरला को गदा एवं रामायण की प्रति भेंट की सम्मान किया और आए हुए सभी प्रतिनिधियों को लोकसभा, राज्यसभा का अवलोकन करवाया गया। इस मौके पर रामलीला समितियों के प्रतिनिधियों ने रामलीला के संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। बिरला ने कहा कि रामलीला केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, भारत की सनातन परंपराओं, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। सदियों से चली आ रही रामलीला की परंपरा ने भारतीय समाज को मर्यादा, कर्तव्य, त्याग, सेवा और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया है तथा इसका संरक्षण और निरंतरता सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बिरला ने कहा कि इन समितियों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी भगवान श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आधुनिकता के इस दौर में भी हमारी सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक आयोजनों को नई पीढ़ी से जोड़ने के लिए नवाचार, तकनीक और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रामलीला सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का एक प्रभावी माध्यम है। समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर यह आयोजन भारतीय जीवन दर्शन की व्यापकता और समावेशी भावना को सुदृढ़ करता है। चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि रामलीला भारत की सांस्कृतिक आत्मा का जीवंत उत्सव है। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, हमारी सभ्यता, संस्कारों और राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिंब है। रामलीला समितियां भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर की संरक्षक हैं और इनके माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह गौरवशाली परंपरा आने वाली पीढ़ियों तक और अधिक सशक्त रूप में पहुंचे। रामलीला महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार और महामंत्री सुभाष गोयल ने संयुक्त रूप से कहा कि दिल्ली में राम लीलाएं प्राचीन काल से चली आ रही हैं दिल्ली में सभी एजेंसियां फ्री ग्राउंड देती हैं, दिल्ली विकास प्राधिकरण भी अपने ग्राउंड रामलीलाओं के लिए निशुल्क दे तथा रामलीलाओं को फ्री बिजली प्रदान की जाए।

अमित शाह सोमवार को सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में होंगे शामिल

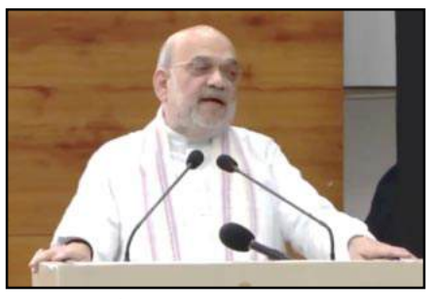

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को भारत मंडपम में सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और पहलों का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम की एक प्रमुख उपलब्धि 50 हजार पैक्स का ई-पैक्स में रूपांतरण होगी। इस दौरान बीज प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए बीबीएसएसएल और आईसीएआर के बीच समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। साथ ही अमित शाह डेयरी सहकारी समितियों के लिए आदर्श उप-विधियों और सहकारिता मंत्रालय की पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक का विमोचन करेंगे। परियोजनाओं और पहलों में 135 अन्न भंडारण गोदामों का हस्तांतरण, 85 गोदामों का लोकार्पण और 47 गोदामों का शिलान्यास शामिल है। अमूल और एनसीसीएफ की ओर से सहकार वन, उत्तर प्रदेश के बाराबंकी और महाराष्ट्र के जलगांव में बीबीएसएसएल की टिश्यू कल्चर सुविधाओं का भूमि पूजन होगा। एनसीडी 3.0 और जियो-टैग मोबाइल एप्लिकेशन और एनडीडीबी के दूध आपूर्ति समीक्षा डैशबोर्ड पोर्टल का शुभारंभ भी किया जाएगा। कार्यक्रम में कोऑपरेटिव इनपुट्स एंड सर्विसेज डिलीवरी मल्टी-स्टेट लिमिटेड के अंतर्गत डेयरी पशुओं की उत्पादकता से जुड़ी पहलें, कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स ऑर्गनाइजेशन मल्टी-स्टेट लिमिटेड और गोमय सहकारी समिति मल्टी-स्टेट लिमिटेड का उद्घाटन और एनयूसीएफडीसी की दो प्रमुख पहलों- सहकार सीबीएस, केंद्रीकृत कोर बैंकिंग प्लेटफॉर्म तथा सहकार सहयोगी, शहरी सहकारी बैंकों के लिए संवादात्मक एआई-संचालित प्लेटफॉर्म का भी अनावरण होगा।

गौरव गोगोई का कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना भाजपा के लिए प्लस प्वाइंट : मंत्री पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका ने असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनका प्रदेश अध्यक्ष पद पर बने रहना भाजपा के लिए *प्लस प्वाइंट* है। हजारिका बीती रात एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पीयूष हजारिका ने कहा कि वह गौरव गोगोई से इस्तीफा मांग नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस में चुनावों में करारी हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष के इस्तीफा देने की परंपरा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई ने उस परंपरा को तोड़ते हुए हार के बावजूद अध्यक्ष पद नहीं छोड़ा है। हजारिका ने तंज कसते हुए कहा कि गौरव गोगोई का अध्यक्ष बने रहना भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से लाभदायक साबित हो रहा है।

सरकार ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बताया भारत की ऊर्जा रणनीति का प्रमुख स्तंभ

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार का कहना है कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम भारत की ऊर्जा रणनीति का प्रमुख स्तंभ है। इसकी प्रगति वैज्ञानिक मूल्यांकन, चरणबद्ध कार्यान्वयन और सरकार, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को दर्शाती है। कार्यक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत, उत्सर्जन को कम और किसानों के लिए आय के नए अवसर पैदा किए हैं। इसने कच्चे तेल के आयात को भी कम किया है और घरेलू स्तर पर उत्पादित नवीकरणीय ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दिया है। ईबीपी कार्यक्रम स्वच्छ, अधिक लचीले और आत्मनिर्भर परिवहन ईंधन पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देना जारी रखेगा। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर लगातार एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर विभिन्न नकारात्मक दावे सामने आ रहे हैं। इन दावों में कहा जा रहा है कि एथेनॉल से गाड़ियों को नुकसान हो रहा है, जल संसाधन पर दबाव बढ़ रहा है और कार्यक्रम से लाभ होने की बजाय हानि हो रही है। इसी को लेकर पत्र सूचना कार्यालय ने विस्तार से दावों का खंडन करते हुए स्थिति स्पष्ट की है। इन दावों पर स्पष्टीकरण देते हुए विस्तार से एक-एक दावे का खंडन किया गया है। सरकार का कहना है कि भारत अपनी खपत का लगभग 88.5 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। विदेशों से खरीदा गया तेल का प्रत्येक बैरल देश को मूल्य में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति में अचानक होने वाली समस्याओं के जोखिम में डालता है, जिन पर उसका कोई नियंत्रण नहीं होता।

पुलिस की संयुक्त मुठभेड़ में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो शूटर ढेर

नई दिल्ली/ बहादुरगढ़ (हि.स.)। लॉरेंस बिश्नोई-हरिराम उर्फ हैरी बॉक्सर-अनिल पंडित गिरोह के दो इनामी शूटर आज सुबह यहां पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। इनकी पहचान प्रवेश और हिमांशु के रूप में हुई है। दोनों हांसी में जिम संचालक कपिल की हत्या में शामिल थे। दोनों पर हरियाणा पुलिस ने एक-एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ के दौरान स्पेशल सेल का एक सिपाही भी गोली लगने से घायल हो गया। उसका इलाज चल रहा है। इसकी पुष्टि हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रांत भूषण ने की। यह सफलता दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ के संयुक्त अभियान में मिली। पुलिस अधिकारी भूषण ने बताया कि हांसी में पिछले महीने जिम संचालक कपिल की दो अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। जांच में खुलासा हुआ कि इस हत्याकांड में लॉरेंस बिश्नोई के करीबी शूटर प्रवेश और हिमांशु शामिल हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम को सूचना मिली थी कि एक मामले में वांछित हिसार निवासी प्रवेश और हिमांशु हरियाणा में मौजूद हैं। दोनों हिसार के जिम ट्रेनर कपिल हत्याकांड के आरोपित भी हैं। इस सूचना के आधार पर स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ ने संयुक्त अभियान चलाया। एसपी भूषण ने बताया कि पुलिस टीमों ने सबसे पहले इलाके को घेरा। इसके बाद टीमें दोनों को पकड़ने के लिए आगे बढ़ीं। यह देख प्रवेश और हिमांशु ने गोलीबारी शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस टीमों को भी जवाबी फायरिंग करनी पड़ी। भूषण ने कहा कि मुठभेड़ के दौरान एक सिपाही के पैर में गोली लगी और चार अन्य अधिकारियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं। दोनों शूटर भी घायल हो गए। घायल दोनों शूटर को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घायल सिपाही को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट के सिपाही अंकित के पैर में गोली लगी। उनकी हालत खतरे से बाहर है।

पीओजेके में पाक सेना का अत्याचार, प्रदर्शनकारियों ने भारत से मांगी मदद

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रदर्शनकारियों ने भारत और जम्मू-कश्मीर के लोगों से मदद की अपील की है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पाकिस्तान सेना ने आंदोलन को दबाने के लिए कई इलाकों में खाद्य सामग्री और जरूरी दवाओं की आपूर्ति रोक दी है, जिससे आम नागरिकों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लगातार जारी प्रतिबंधों और प्रशासनक कार्रवाई के कारण लोगों के सामने भोजन, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है। उनका दावा है कि स्थिति तेजी से बिगड़ रही है और मानवीय सहायता की आवश्यकता है। प्रदर्शनकारियों की ओर से जारी अपील में भारत सरकार और भारत के जम्मू-कश्मीर के लोगों से मानवीय आधार पर सहयोग की मांग की गई है। उनका कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में पीओजेके के लोगों की आवाज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाई जानी चाहिए। रावलकोट में एडवोकेट मेहरा ख्वाजा के भाषण के दौरान भीड़ उमड़ पड़ी। उन्होंने बेगुनाह नागरिकों की बेरहमी से हत्या के लिए पाकिस्तानी सेना की आलोचना की और दुनिया भर में फैले लोगों से पाकिस्तान की हरकतों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए एक वीडियो में ख्वाजा ने कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं है जो सेना को किसी को मारने का अधिकार देता हो। उन्होंने लीडरशिप की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें पद छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनमें मतलब की बातचीत करने की काबिलियत नहीं है। ख्वाजा ने यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले कश्मीरी लोगों से भी अपील की कि वे 5 जुलाई को एक बड़ा प्रोटेस्ट करें ताकि इंटरनेशनल कम्युनिटी का ध्यान पाकिस्तान की हरकतों की ओर खींचा जा सके। उन्होंने जानमाल के नुकसान पर दुख जताया और कहा कि जुर्म करने वालों के हाथ खून से रंगे हैं। उन्होंने कहा कि सभी कश्मीरियों को अपनी आवाज उठानी चाहिए। अपनी बातों में उन्होंने पाकिस्तान पर हमला किया कि वो इलाके के रिसोर्स का गलत इस्तेमाल कर रहा है और अब अपने ही लोगों की शिकायतें सुनने के बजाय उन्हें मार रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

बजट सत्र से असम...

बसुमतारी, चक्रधर गोगोई और जय प्रकाश दास उपस्थित थे। बैठक में असम विधानसभा में हिंदी भाषा को शामिल करने का निर्णय लिया। पहले यहां केवल तीन भाषाएं (असमिया, अंग्रेजी और बोड़ो) थीं और पहली बार हिंदी भाषा को शामिल किया गया है। हिंदी राष्ट्रभाषा है और इसे मान्यता देने के लिए हमने हिंदी भाषा को शामिल करने का निर्णय लिया। 6 जुलाई से असम विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा, जो 21 कार्य दिवसों तक चलेगा और 31 जुलाई तक जारी रहेगा। राज्य का बजट 10 जुलाई को प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में सत्र में 10 नए विधेयक प्रस्तुत किए गए हैं। असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने कहा कि पहले एक चैनल था जिसका नाम एएलए (असम विधानसभा) था और इसे सोमवार से असम विधान सभा टीवी के रूप में पुन: नामित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम असम विधान सभा टीवी को लोक सभा टीवी और राज्य सभा टीवी की तरह बनाने का प्रयास करेंगे।

वीबी-जी-राम-जी योजना ...

15 दिनों के भीतर वेतन भुगतान करने के लिए पर्याप्त धनराशि हो। उन्होंने राज्य सरकारों से वेतन भुगतान में देरी से बचने के लिए समय पर अपनी हिस्सेदारी जारी करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार 1 जुलाई से बिना किसी बाधा के पूरे देश में इस योजना को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, और उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) से वीबी-जी-आरएएम-जी में परिवर्तन सुचारू और निर्बाध रहा है, और अब तक कोई तकनीकी या परिचालन संबंधी समस्या सामने नहीं आई है। चौहान ने इस योजना के व्यापक कार्यान्वयन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जहां एमजीएनआरईजीए को देशव्यापी स्तर पर लागू होने में लगभग तीन साल लगे, वहीं वीबी-जी-आरएएम-जी योजना को पूरे देश में एक ही दिन में लागू कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि नई योजना के तहत मजदूरी दरों में औसतन लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि किसी भी राज्य में मजदूरी दर 300 रुपए प्रति दिन से कम नहीं होगी। मंत्री ने कहा कि राज्यों से प्राप्त मांगों के आधार पर पहली किस्त जारी कर दी गई है और ग्राम सभाओं और ग्राम पंचायतों से समावेशी और सहभागी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय प्राथमिकताओं के अनुसार विकास कार्यों की पहचान करने का आग्रह किया। इसी बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में घोषणा की कि राज्य को इस योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 603.96 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। उन्होंने लिखा कि मोदी सरकार की हर नीति एक सुविचारित समर्थन तंत्र द्वारा समर्थित है। 1 जुलाई को शुरू की गई परिवर्तनकारी ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम वीबी जी-आरएएम जी को केंद्र सरकार से पहली वित्तीय सहायता मिल चुकी है, जिसके तहत असम को 630 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जारी की गई है... मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी धन्यवाद दिया।

नारद जयंती समारोह में ...

तिलक सेनगुप्ता ने किया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि देवर्षि नारद केवल धार्मिक परंपरा के पात्र नहीं, बल्कि सत्य, संवाद और लोककल्याण पर आधारित पत्रकारिता के आदर्श प्रतीक हैं। उन्होंने सदैव सही सूचना को सही स्थान तक पहुंचाने का कार्य किया और समाज में संवाद की स्वस्थ परंपरा को स्थापित किया। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक पत्रकारिता की नैतिकता और उत्तरदायित्व की भावना का आधार भी यही मूल्य हैं। स्वागत भाषण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दक्षिण बंग प्रांत प्रचार प्रमुख बिप्लब राय ने कहा कि पत्रकार का दायित्व केवल समाचार देना नहीं, बल्कि समाज के हित में सत्य और तथ्य को जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करना भी है। इसके बाद नारद सम्मान-2026 के अंतर्गत 11 पत्रकारों को सम्मानित किया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. कल्याण चक्रवर्ती, प्रफुल्ल केतकर तथा डॉ. जिष्णु बसु ने क्रमश: साहाना मुखोपाध्याय, पिनाकपाणि घोष, स्वर्णाली सरकार, संतु कुमार पान (तारकेश्वर विधायक), अनिर्बाण सिन्हा, शुभ बनर्जी, शफीकुल इस्लाम, अद्वितीया राय, प्रवीर भट्टाचार्य, रक्तिम दास तथा हिन्दुस्थान समाचार के पश्चिम बंगाल ब्यूरो प्रमुख संतोष कुमार मधुप को नारद सम्मान-2026 प्रदान किया। अपने संबोधन में डॉ. जिष्णु बसु ने कहा कि देवर्षि नारद का संपूर्ण कार्य लोककल्याण, सत्य के प्रसार तथा समाज में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि संवाद के माध्यम से सूचना एकत्र कर समय पर उसे उचित स्थान तक पहुंचाना ही वास्तविक पत्रकारिता है और इसी कारण देवर्षि नारद को विश्व का प्रथम भ्रमणशील पत्रकार माना जाता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. कल्याण चक्रवर्ती ने कहा कि भारतीय परंपरा में देवर्षि नारद ज्ञान, संवाद और सत्य के संवाहक रहे हैं। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य भी समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाना और जनहित की रक्षा करना है। समारोह के द्वितीय चरण में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि के आगमन पर उनका औपचारिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात राज्यपाल ने वरिष्ठ पत्रकार रथींद्र मोहन बंद्योपाध्याय, विजय आढ्य, स्वपन दासगुप्ता, भजनलाल गंगोपाध्याय, रवींद्रनाथ दत्त तथा रंजीत राय को नारद सम्मान-2026 से सम्मानित किया। ऑर्गेनाइजर के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने अपने संबोधन में भारतीय दृष्टि से पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने का दायित्व भी निभाती है। अध्यक्षीय संबोधन में राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि लोकतंत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष और उत्तरदायी पत्रकारिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को सत्य, निष्पक्षता और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन, राष्ट्रगान तथा राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ।

भारत की पासपोर्ट रैंकिंग...

पासपोर्ट धारक भूटान, नेपाल, जमैका, मकाऊ, फिलिस्तीन, ट्यूनीशिया, अंगोला और बारबाडोस जैसी जगहों पर बिना वीजा के या वीजा ऑन अराइवल की सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें अभी भी अमेरिका, यूके, जर्मनी, फ्रांस, चीन और संयुक्त अरब अमीरात सहित लगभग 88 देशों में प्रवेश करने के लिए वीजा की जरूरत होती है। भारत के पड़ोसी देशों में चीन 104वें स्थान पर है, जो भारत (125वें स्थान) से आगे है। हालांकि, भारत दक्षिण एशिया के कई अन्य देशों से बेहतर स्थिति में है। बांग्लादेश 166वें, नेपाल 164वें और पाकिस्तान 188वें स्थान पर है, जो इस इंडेक्स में सबसे निचले पायदानों में से एक है। ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स 2026 की टॉप 10 सूची में ज्यादातर यूरोपीय देश शामिल हैं, जो ग्लोबल ट्रैवल मोबिलिटी (दुनिया भर में यात्रा करने की सुविधा) में इस महाद्वीप की मजबूत स्थिति को दिखाता है। खास बात यह है कि अमेरिका और फ्रांस दोनों 11वें स्थान पर हैं और टॉप 10 में जगह बनाने से बस थोड़ा ही चूक गए, जबकि कनाडा 13वें स्थान पर है। इससे दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट के मामले में यूरोप स्पष्ट रूप से सबसे आगे है।

मणिपुर में चार उग्रवादी ...

पिस्तौल और बंदूकें, दो अस्थायी मोर्टार, 13 ग्रेनेड, विभिन्न हथियारों की कई मैगजीन तथा 1,300 से अधिक कारतूस बरामद किए गए। इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के तीन सक्रिय सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, तीनों पर जबरन वसूली में शामिल होने का आरोप है। इस कार्रवाई के दौरान एक स्कूटर और अन्य सामान भी जब्त किया गया। मामले में पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और बरामद हथियारों के नेटवर्क तथा उग्रवादी गतिविधियों से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित...

मामले की जांच शुरू कर दी है। भाजपा के अनुसार, रविवार तड़के कुछ लोगों ने भारी औजारों से स्मारक स्थल के उस हिस्से को क्षतिग्रस्त कर दिया, जहां शिलापट्ट लगाया गया था। स्थानीय कार्यकर्ताओं का दावा है कि शनिवार देर रात तक निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया था, लेकिन आधी रात के बाद चबूतरे और नामपट्ट को नुकसान पहुंचाया गया। इस घटना के बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा ने अमहर्स्ट स्ट्रीट थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और यातायात निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। हालांकि, अब तक किसी राजनीतिक दल की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर कोलकाता में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वह न्यू टाउन स्थित इको पार्क में डॉ. मुखर्जी की प्रस्तावित 125 फीट ऊंची प्रतिमा के निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा भवानीपुर स्थित उनके पैतृक आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और विश्व बांग्ला मेला प्रांगण में आयोजित जयंती समारोह को संबोधित करेंगे।

यूरिया, डीएपी और सल्फर ...

सभी योजना के अनुसार पहुंच जाएंगे। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बुरी तरह प्रभावित किया है। इससे उर्वरक की कीमतें बढ़ गई हैं और निर्यात में लगने वाला समय भी बढ़ा है। भारत भी इसके असर से अछूता नहीं रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कीमतों में वैश्विक उछाल के बावजूद सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा की है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उर्वरक विभाग द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमों को जाता है। उर्वरक संयंत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पश्चिम एशिया संकट के दौरान लगभग 65 प्रतिशत तक घट गई थी, वह अब पूरी तरह से बहाल हो गई है। इससे देश भर के सभी यूरिया संयंत्र पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात में आई रुकावट के बीच उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की है। सरकार ने कूटनीतिक प्रयासों के जरिये आपूर्ति के नये स्रोत तलाशे और ओमान, मलेशिया, वियतनाम, जॉर्जिया, नाइजीरिया, रूस, फिनलैंड, मिस्र, अल्जीरिया, तुर्किये और नीदरलैंड से यूरिया की आपूर्ति की व्यवस्था की। केंद्र सरकार ने डीएपी और एनपीके (नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम) रूस, मोरक्को, मिस्र, अमेरिका, जॉर्डन, दक्षिण कोरिया, ट्यूनीशिया और सऊदी अरब से लाल सागर के रास्ते से मंगवाया है।

अली खामेनेई की प्रार्थना...

रखा गया है। खामेनेई के उत्तराधिकारी मोजतबा खामेनेई के बारे में कहा जाता है कि वह 28 फरवरी के हमले में घायल हुए हैं। सर्वोच्च नेता नामित होने के बाद से वह अब तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। खामेनेई के ताबूत को मंगलवार को खोम और फिर बुधवार को पड़ोसी देश इराक ले जाया जाएगा।गुरुवार को उत्तर-पूर्वी गृहनगर मशहद में उन्हें दफनाया जाएगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि मशहद में इस अवसर पर मोजतबा सामने आ सकते हैं। तेहरान के ग्रैंड मोसाला कॉम्प्लेक्स में रविवार की प्रार्थना सभा का नेतृत्व प्रमुख शिया धर्मगुरु जाफर सोभानी ने किया। 97 वर्षीय सोभानी पवित्र शहर कोम के धार्मिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। ईरानी झंडे में लिपटे और काली पगड़ी से ढके खामेनेई के ताबूत को फरवरी के हमलों में मारे गए चार रिश्तेदारों के ताबूतों के साथ रखा गया। ईरान की अर्ध सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह की रस्मों में लगभग 1.5 करोड़ लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाला के पास अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। यहां खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के ताबूत रखे गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि कोम और मशहद में अंतिम संस्कार समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 1939 में मशहद में जन्मे खामेनेई कम उम्र में ही शिया मुस्लिम धर्मगुरु बन गए थे। उन्होंने ईरान के शाह मोहम्मद रजा पहलवी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़ा। 1981 में उन पर जानलेवा हमला हुआ, जिसमें उनका दाहिना हाथ बेकार हो गया। इसके कुछ ही समय बाद उन्हें राष्ट्रपति चुना गया। उनका रवैया अमेरिका के प्रति बेहद सख्त रहा है। वह ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी के करीबी सहयोगी थे। खुमैनी ने ही शाह को सत्ता से हटाने के संघर्ष का नेतृत्व किया था और इस्लामिक रिपब्लिक की स्थापना की थी। 1989 में खुमैनी के निधन के कुछ ही हफ्तों के भीतर खामेनेई उनके उत्तराधिकारी बन गए थे।

गुवाहाटी के पार्कों ...

ब्रह्मपुत्र रिवर हेरिटेज सेंटर के लिए 150 रुपए तथा श्रद्धांजलि कानन के लिए 30 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार, पानबाजार रोपवे की सवारी के लिए अब 250 रुपए का शुल्क देना होगा। संशोधित शुल्क रविवार से लागू हो गया है।

राजस्थान : सेना के ...

सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र में 22 एलजीडब्लयू के पास हुआ। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया। गंभीर रूप से घायल दोनों लोगों को तत्काल सूरतगढ़ के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों मृतक हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र के 5 बी कोनी गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी, राजस्थान, लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन के अनुसार, तड़के करीब 5:30 बजे सूरतगढ़-श्रीगंगानगर मार्ग पर केंचियां कस्बे के निकट एक सिविल एम्बुलेंस ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे सेना के एएलएस (एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट) वाहन से टकरा गई। हादसे में तीन नागरिकों की मृत्यु हो गई, जबकि घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराकर अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर मौजूद है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। भारतीय सेना ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए जांच में नागरिक प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने की बात कही है।

दो दिवसीय ब्रिक्स एंटी-ड्रग...

कदम के रूप में देखता है। इसमें ऑपरेशनल समन्वय, खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण तथा उभरते मादक पदार्थ संबंध

वायरल ऑडियो क्लिप के बाद मंत्री के आदेश पर जोरहाट के फॉरेस्टर निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। सोशल मीडिया पर कथित तौर पर गलत व्यवहार का खुलासा करने वाली एक फोन बातचीत वायरल होने के बाद जोरहाट फॉरेस्ट डिवीजन के फॉरेस्टर-टू मोंटू हजारिका को निलंबित कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह ऑडियो क्लिप असम के वन मंत्री जयंत मल्लाबरुवा के संज्ञान में आया, जिन्होंने विभाग को तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मंत्री के निर्देशों पर अमल करते हुए, जोरहाट डिवीजन के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) ने विभागीय कार्यवाही पूरी होने तक फॉरेस्टर-टू मोंटू हजारिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया है। वन विभाग की ओर से आज जारी एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी साझा की गयी है।

एक लाख पौधों और दलहन बीजों के वितरण का शुभारंभ राज्य में एक करोड़ बागवानी पौधे वितरित करने का लक्ष्य

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने रविवार को कामरूप जिले के काहिकुची स्थित असम कृषि विश्व विद्यालय (एएयू) के बागवानी अनुसंधान केंद्र में आयोजित *बीज एवं रोपण सामग्री वितरण समारोह* में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने एक लाख पौधों एवं दलहन बीजों के वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग ने पूरे असम में एक करोड़ उच्च गुणवत्ता वाले बागवानी पौधों के वितरण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने किसानों से नारियल, काली मिर्च, अनानास और ड्रैगन फ्रूट जैसी फसलों की बहुफसली खेती अपनाकर आय बढ़ाने का आह्वान किया। मंत्री ने राज्य के युवाओं से छोटे-मोटे रोजगार के लिए बाहर जाने के बजाय व्यावसायिक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसानों को चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान खोजने पर ध्यान देना चाहिए और फसल उत्पादन में कमी के लिए अप्रमाणित कारणों को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। किसानों के हितों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए हजारिका ने अधिकतम् खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत पर उर्वरक बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष धान के बीजों का समय पर वितरण किसानों के लिए लाभकारी साबित हुआ है। साथ ही अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कराने तथा कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) का लाभ उठाने की भी अपील की। उन्होंने देश के आयात बिल को कम करने के लिए किसानों से ऑयल पाम और दलहन फसलों की खेती बढ़ाने का आग्रह किया। साथ ही पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लेकर फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार से सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि इससे अंततः किसानों के आर्थिक हित प्रभावित होते हैं। कार्यक्रम के दौरान लगभग 100 किसानों को फलदार पौधे, काला चना एवं ब्राउन ग्राम के बीज तथा स्प्रे मशीनें वितरित की गईं। समारोह में एएयू के कुलपति दीपज्योति राजखोवा, बागवानी निदेशक नृपेन चंद्र दास सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधायक भूपेन बोरा ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्व असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं वर्तमान भाजपा विधायक भूपेन बोरा ने रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात कर अपने क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सह-जिला आयुक्त कार्यालय के शिलान्यास की तिथि घोषित करने, 15 आरसीसी पुलों के निर्माण, खेराजखात स्थित लखीमपुर पॉलिटेक्निक के विकास तथा क्षेत्र के तटबंधों को सुदृढ़ करने की मांग की गई। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए भूपेन बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी प्रस्तावों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास और जनकल्याण के प्रति मुख्यमंत्री का सकारात्मक दृष्टिकोण सराहनीय है। मुलाकात के दौरान भूपेन बोरा के पुत्र प्रज्ञान और उनके मित्र समृद्ध सिंह ने भी मुख्यमंत्री से भेंट कर अपने स्टार्टअप की अवधारणा और भावी योजनाओं पर चर्चा की। भूपेन बोरा ने क्षेत्र के विकास के प्रति सहयोग, प्रोत्साहन और समय देने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मणिपुर की मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित हो गई है जिसमें 19.34 लाख मतदाता हैं : सीईओ

इंफाल। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के गणना चरण के पूरा होने के बाद मणिपुर की मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की है, जिसमें 19,34,399 मतदाताओं के नाम शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अरुण कुमार सिन्हा ने रविवार को यह घोषणा की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि जनगणना अभ्यास में 92.42 प्रतिशत की भागीदारी दर दर्ज की गई। राज्य के 20,93,076 पात्र मतदाताओं में से 19,34,399 ने 30 मई से 28 जून के बीच अपने जनगणना प्रपत्र जमा किए। मसौदा मतदाता सूची के अनुसार, मतदाताओं में 9,40,466 पुरुष मतदाता, 9,93,660 महिला मतदाता और 294 तृतीय-लिंगी मतदाता शामिल हैं। पुनरीक्षण प्रक्रिया के परिणामस्वरूप 43,000 मृत मतदाताओं की पहचान भी हुई, जो मतदाताओं की कुल संख्या का 2.06 प्रतिशत है। अन्य 1,08,283 नाम, या 5.17 प्रतिशत, स्थानांतरित, अनुपस्थित या अन्य निर्दिष्ट श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले के रूप में वर्गीकृत किए गए, जबकि 7,394 मतदाताओं (0.35 प्रतिशत) के पास एकाधिक पंजीकरण पाए गए। अधिकारियों ने कहा कि डुप्लिकेट पंजीकरण केवल एक ही स्थान पर रखे जाएंगे। सीईओ कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, राज्यव्यापी अभ्यास सभी 16 जिलों में 60 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), 84 सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ), 317 बूथ स्तरीय अधिकारी पर्यवेक्षकों और 2,956 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की भागीदारी के साथ किया गया। चुनाव आयोग ने पुनरीक्षण के दौरान राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि की भी सूचना दी, जिसमें 10 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने प्रक्रिया में भाग लिया। बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की संख्या 5,003 से बढ़कर 6,363 हो गई, जिसे सीईओ के कार्यालय ने एक ऐसा विकास बताया जिससे अभ्यास के दौरान पारदर्शिता में वृद्धि हुई। व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, जिला नोडल अधिकारियों ने आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) को संशोधन में भाग लेने के लिए विशेष व्यवस्था की। चुनाव आयोग ने उन नागरिकों को भी आमंत्रित किया है जो 1 जुलाई, 2026 को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेंगे, वे फॉर्म 6 जमा करके मतदाता सूची में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। मतदाताओं की सुविधा में सुधार लाने के प्रयासों के तहत, मतदान केंद्रों की संख्या 2,956 से बढ़ाकर 3,041 कर दी गई है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से अधिक मतदाता न हों। शिकायत और आपत्ति दर्ज कराने की विंडो 5 जुलाई से 4 अगस्त तक खुली रहेगी। इस अवधि के दौरान, मतदाता बूथ स्तर के अधिकारियों, चुनावी पंजीकरण अधिकारियों, मतदाता सेवा पोर्टल या ईसीआईएनईटी मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से प्रविष्टियों को शामिल करने, सुधारने या हटाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। चुनाव अधिकारी 2 सितंबर तक सभी दावों और आपत्तियों का निपटारा कर देंगे, जिसके बाद अंतिम मतदाता सूची 6 सितंबर को प्रकाशित होने वाली है।

कुमार भास्कर वर्मा सेतु पर नई पाबंदियां लागू

गुवाहाटी (हिंस)। कुमार भास्कर वर्मा सेतु पर प्रशासन ने नई पाबंदियां लागू कर दी हैं। नए निर्देशों के तहत अब पुल पर वाहनों को रोकने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने पुल पर वाहन खड़ा कर फोटो खींचने या वीडियो बनाने पर भी रोक लगा दी है। लोगों को नियमों की जानकारी देने के लिए पुल पर *नो स्टैंड, नो फोटोग्राफी* के बोर्ड लगाए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नए नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमों का पालन करने की अपील की है।

ढेकियाजुली के रौनतपुर में नशा के विरुद्ध जागरूकता सभा आयोजित

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला के रंगापाड़ा थाना अंतर्गत ढेकियाजुली क्षेत्र के रौनातपुर ताराजुली पार्ट तीन में नशा के विरुद्ध आज जागरूकता सभा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन असम चाय जनजाति महिला समिति (आतुवा) संस्था, गांव रक्षक वाहिनी समिति, गांव विकास समिति एवं आबकारी विभाग के संयुक्त सहयोग से नशा मुक्त हेतु जागरूकता सभा का आयोजन किया। जागरूकता कार्यक्रम में आतुवा समिति की अध्यक्ष मिशमीधन, रौनतपुर स्कूल के प्रधानाध्यापक बिनोद दीघाल, ताराजुली चाय बागान वेलफेयर समिति, गांव रक्षक वाहिनी और रंगापाड़ा थाना प्रभारी तथा रंगापाड़ा आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर, स्थानीय महिला एवं पुरुष आदि ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के आरंभ में समिति की ओर से सभी अतिथियों को फुलाम गामोछा पहनाकर स्वागत किया गया। आबकारी विभाग द्वारा जागरूकता सभा में मूलत: मादक पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने, रोकथाम संबंधी पहलों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, स्वस्थ और उत्पादक जीवनशैली को बढ़ावा देने, सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने और नशामुक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने को लेकर व्याख्यान दिये गये। नशे की लत का कोई एक कारण नहीं होता।आज हमसब एकजुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त होंगे। कारण बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए। आबकारी विभाग ने कहा कि हम सब मिलकर अपने जिले, अपने क्षेत्र व गांव आदि स्थानों में मादक द्रव्यों के सेवन की समस्याओं से निपटने के लिए चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाएं। इस तरह के व्यसन से अक्सर घरों में लोगों को दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। वहीं थाना प्रभारी ने खास तौर पर-गांव में चुलाई शराब (देसी शराब) को लेकर उपस्थित लोगों को कानूनी हिसाब-किताब समझाया, साथ ही तीन वर्ष कानून की सजा का भी उल्लेख किया।

काजीरंगा की दिग्गज गश्ती हथिनी जॉयमाला को वन मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के वन मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की दिग्गज गश्ती हथिनी जॉयमाला के निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने जॉयमाला को काजीरंगा की *श्रेष्ठ जंगल योद्धाओं* में से एक बताते हुए कहा कि उसका जीवन वन्यजीव संरक्षण के लिए समर्पण और साहस का प्रतीक था। वर्ष 1960 में जन्मी जॉयमाला ने 1992 से काजीरंगा में 34 वर्षों तक एंटी-पोचिंग गश्त, वन्यजीव निगरानी और बचाव अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंत्री ने वर्ष 2004 की उस ऐतिहासिक घटना को भी याद किया, जब गश्त के दौरान एक बाघ जॉयमाला के ऊपर से छलांग लगा गया था। इस दुर्लभ क्षण की तस्वीर ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काजीरंगा को नई पहचान दिलाई थी। करीब एक वर्ष तक इलाज के बावजूद जॉयमाला का शनिवार को अगरातोली रेंज के नलोनी क्षेत्र में निधन हो गया।

बंगाईगांव रिफाइनरी का *स्वच्छता पर चर्चा* कार्यक्रम आयोजित

बंगाईगांव (हिंस)। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की बंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा *स्वच्छता पखवाड़ा 2026* के अंतर्गत *स्वच्छता हर किसी की जिम्मेदारी है* विषय पर चिरांग जिले के बरतोलवा बाजार में *स्वच्छता पर चर्चा*, स्वच्छता शपथ, श्रमदान एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छ भारत के संकल्प को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में चिरांग के विलेज काउंसिल डेवलपमेंट कमेटी (वीसीडीसी) के अध्यक्ष, काजलगांव नगर पालिका बोर्ड के उपाध्यक्ष, वार्ड आयुक्त, बारटोला बाजार समिति के पदाधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वच्छता शपथ के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने अपने घर, कार्यस्थल, बाजार तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इसके उपरांत आयोजित *स्वच्छता पर चर्चा* में वक्ताओं ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने, कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन, स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण, एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता अपनाने की आवश्यकता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उपस्थित अतिथियों ने बंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा स्वच्छता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के इस प्रयास की सराहना करते हुए स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों से बाजार परिसर को नियमित रूप से स्वच्छ रखने और स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। स्वच्छ जीवनशैली एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से कार्यक्रम के दौरान स्थानीय दुकानदारों एवं नागरिकों के बीच जूट के थैलों का वितरण किया गया, ताकि वे प्लास्टिक थैलों के स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों का उपयोग करें। साथ ही, साबुनों का वितरण कर व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत रिफाइनरी के अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, बाजार समिति के सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों ने संयुक्त रूप से श्रमदान कर बाजार परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। इस सामूहिक प्रयास ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। बाजार क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से डस्टबिन तथा पर्यावरण-अनुकूल हरे बांस से निर्मित डस्टबिन भी उपलब्ध कराए गए, जिससे कचरे के उचित संग्रहण एवं निस्तारण को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम की एक विशेष पहल के रूप में अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान रीसाइकिल प्लांटर भेंट कर किया गया। यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के पुन: उपयोग तथा सतत विकास के प्रति इंडियन ऑयल की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। बंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा आयोजित इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। रिफाइनरी स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज में स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कामरूप में जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की

अमीनगांव। आगामी जनगणना अभियान की तैयारियों के हिस्से के रूप में कामरूप जिले के जनगणना अधिकारी बिक्रम छेत्री ने जिले के अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी और जनगणना निदेशालय के अधिकारियों के साथ शनिवार को जमीनी स्तर की तैयारियों का जायजा लेने के लिए रंगिया और कमलपुर राजस्व मंडलों का क्षेत्रीय दौरा किया। इस दौरे के दौरान, गांव-वार प्रगणक ब्लॉक के डेटा तैयार करने, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का एक व्यापक डेटाबेस बनाने तथा उनके लिए प्रशिक्षण योजना से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। टीमों को सीएमएमएस पोर्टल पर डेटा के रख-रखाव और उसे अपडेट करने के संबंध में व्यावहारिक सहयोग भी प्रदान किया गया। रंगिया राजस्व सर्किल के दौरे के दौरान, सह-जिला आयुक्त (रंगिया) नबजीत पाठक भी टीम में शामिल हुए और उन्होंने आगंतुक अधिकारियों के साथ राजस्व सर्किल की समग्र तैयारियों की समीक्षा की।

होजाई में मध्यदेशीय वैश्य महासभा की नई जिला युवा समितियों का गठन

होजाई (निसं)। मध्यदेशीय वैश्य महासभा (असम प्रदेश समिति) के बैनर तले आज होजाई जिले में दोनों-जिला समिति और जिला युवा समिति-का सर्वसम्मति से गठन किया गया। दोनों बैठकों का आयोजन होजाई के होटल अशोक में किया गया, जिसमें समाज के गणमान्य सदस्यों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह जानकारी विनोद गुप्ता ने दी। जिला समिति के निर्वाचित पदाधिकारी इस प्रकार हैं: अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता; उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, राजकुमार साह और प्रियतोष गुप्ता; महामंत्री आनंद गुप्ता; संगठन महामंत्री डॉ. कामाख्या प्रसाद; कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता; मंत्री रमाशंकर गुप्ता, संजय प्रसाद, विनोद कुमार गुप्ता और आशीष गुप्ता; सांस्कृतिक मंत्री नन्दु गुप्ता और लक्ष्मण साह; कार्यकारिणी सदस्य विमलेश गुप्ता और श्याम लाल गुप्ता; सलाहकार मंडल में उमाशंकर गुप्ता, विजय प्रसाद, प्रकाश गुप्ता (गोरख), विश्व नाथ गुप्ता (टिंकू) और अनिल कुमार साह शामिल हैं। नवनिर्वाचित समिति को आगामी तीन वर्षों के लिए जिला स्तर पर होने वाले सभी सामाजिक आयोजनों और गतिविधियों को संचालित करने का अधिकार दिया गया है। साथ ही इसी दिन युवा समिति का भी गठन किया गया, जिसका नेतृत्व अभिनव गुप्ता ने संभाला। युवा समिति के अन्य पदाधिकारी हैं: उपाध्यक्ष विश्व नाथ प्र.

गुप्ता; महामंत्री राजिव गुप्ता; कोषाध्यक्ष रोहित गुप्ता; प्रचार मंत्री राहुल गुप्ता। शीर्ष नेतृत्व ने निर्देश दिया कि चारों नवनियुक्त पदाधिकारी जल्द से जल्द युवा समिति की पूर्ण सूची तैयार कर केंद्रीय अध्यक्ष और सचिव को भेजें। बैठक के अंत में प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सरोज कुमार गुप्ता और संगठन महामंत्री दीनबंधु मध्येशिया ने नई टीमों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि ये समितियां समाज को एकजुट करने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। समाज के लोगों ने भी नवगठित दोनों टीमों को बधाई दी और उनका समर्थन देने का भरोसा जताया।

इंडस टावर्स ने अरुणाचल प्रदेश के केयी पन्योर में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाई

ईटानगर। विश्व की सबसे बड़ी दूरसंचार अवसंरचना कंपनियों में से एक, इंडस टावर्स ने अरुणाचल प्रदेश के केयी पन्योर जिले में हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित परिवारों को आपातकालीन राहत प्रदान की है। अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल *प्रगति* के तहत, कंपनी प्रभावित परिवारों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वच्छता सामग्री, कपड़े, स्वच्छता संबंधी आवश्यक वस्तुएं, दवाएं और अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं से युक्त 330 किट वितरित कर रही है। आपदा के कारण विस्थापित हुई महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों की सहायता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इंडस टावर्स के प्रतिनिधियों ने स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर राहत वितरण कार्यक्रम में भाग लिया ताकि आपदा से प्रभावित परिवारों तक समय पर सहायता पहुंच सके। उपस्थित लोगों में याचुली विधायक टोको तातुंग, केई पन्योर की उपायुक्त श्वेता नागरकोटी मेहता (आईएएस), पुलिस अधीक्षक अंगद मेहता (आईपीएस), उप-विभागीय अधिकारी तजिंग पाडुंग (एपीसीएस), और जिला परिषद अध्यक्ष नबाम पीजू शामिल थे। इस पहल पर बोलते हुए, इंडस टावर्स लिमिटेड के सर्कल सीईओ (एनईएसए) राजेंद्र गुरुंग ने कहा कि संकट की घड़ी में, समुदायों को राहत से कहीं अधिक, इस आश्वासन की आवश्यकता होती है कि वे अकेले नहीं हैं। हाल की बाढ़ ने जीवन, आजीविका और परिवारों की सुरक्षा की भावना को अस्त-व्यस्त कर दिया है। इंडस टावर्स में, हम मानते हैं कि हमारी जिम्मेदारी केवल कनेक्टिविटी प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है; इसमें समुदायों के साथ तब खड़े रहना भी शामिल है जब उन्हें सबसे अधिक सहायता की आवश्यकता होती है। इस पहल के माध्यम से, हम प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करने, उनके सम्मान और सुकून को बहाल करने और उन्हें पुनर्वास की दिशा में पहला कदम उठाने में सहायता करने की आशा करते हैं। अरुणाचल प्रदेश के लोगों का लचीलापन वास्तव में प्रेरणादायक है, और हम उनके पुनर्निर्माण की यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विधायक टोको तातुंग ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि हाल की बाढ़ ने पूरे क्षेत्र के परिवारों पर काफी दबाव डाला है और समय पर सहायता प्रदान करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि मैं इस राहत पहल के माध्यम से याचुली के प्रभावित समुदायों को सहायता प्रदान करने के लिए इंडस टावर्स की सराहना करता हूं। सरकार, स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार कॉर्पोरेट संस्थानों के बीच सार्थक साझेदारी जमीनी स्तर पर आपदा राहत प्रयासों को काफी मजबूत कर सकती है। यह राहत कार्य आपात स्थितियों के दौरान समय पर और सार्थक कार्रवाई के माध्यम से सामुदायिक लचीलेपन को मजबूत करने की इंडस टावर्स की व्यापक प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है। राहत सामग्री का वितरण नॉर्थ ईस्ट अफेक्टेड एरिया डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ साझेदारी में किया गया, जो इस पहल के लिए कंपनी का कार्यान्वयन भागीदार है।

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल, ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं। निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरे चढ़ाने के लिए बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार लेगा। वहीं दूसरी ओर ई-85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां है। भले ही इस फ्यूल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा। बहरहाल, इस उम्मीद के साथ ही, हमें हकीकत का भी ध्यान रखना है। दरअसल, ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों ने इंजन की क्षमता, जंग लगने, ईंधन सिस्टम पर प्रभाव और इसकी दीर्घकालिक क्षमता को लेकर चिंताएं जतायी हैं। निस्संदेह, इन मुद्दों को सीधे खारिज करने के बजाय इन पर गंभीर रूप से मंथन करना चाहिए। अगर इन मुद्दों का निराकरण नहीं होता है तो भ्रम व संशय की स्थिति बनी रहेगी। जिसे अविलंब दूर करने की भी जरूरत है। इस वैकल्पिक ईंधन की सहज उपलब्धता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व गाड़ियों को इसके अनुरूप बनाना, वैकल्पिक ईंधन की गुणवत्ता के मानकों का निर्धारण तथा इससे जुड़े तकनीकी प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि बॉयोफ्यूल इतनी जल्दी फॉसिल फ्यूल का विकल्प नहीं बन सकता। इस बाबत पर्याप्त तैयारी, पारदर्शिता और सभी हितधारकों का सहयोग लेना जरूरी है। इस मामले में जल्दबाजी करने से बचा जाना चाहिए। यदि हम सजगता व सतर्कता से आगे बढ़ते हैं तो ई-85 एक सफल मॉडल बन सकता है। अन्यथा हम एक अच्छा मौका चूक सकते हैं।

ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर है। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल, ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं।

कुछ अलग

खेलने के दिन

स्टोर खिलौनों से भर गया था। पत्नी का विचार था कि उन्हें किसी कबाड़ी के हाथों बेच कर जगह खाली कर ली जाए, क्योंकि बच्चे बड़े हो गए हैं और अब वे उन खिलौनों की तरफ देखते भी नहीं थे। कुछ को छोड़कर ज्यादातर खिलौने नए जैसे ही थे, वह झुंझलाकर बोला था- हर साल बच्चों का बर्थडे मनाते रहे और जब ढेर खिलौने आते रहे, तब ही इन्हें साथ के साथ दूसरों के बर्थडे पर आगे देते रहते, तो ये यों इकट्ठा नहीं होते, दूसरों के बर्थडे पर बाजार से खरीद-खरीदकर नए देते रहे। ढेर तो लगना ही था, अब कबाड़ी क्या दे देगा। सौ-पचास? बाबूजी ने सुझाया- जो हुआ, सो हुआ। हमारे बच्चों का बचपन खिलौनों में बीता- बस, यही संतोष की बात है। अब ये है कि अगर कहो, तो मैं ये खिलौने ले जाकर किन्हीं गरीब बच्चों में बांट आऊं? और कुछ नहीं, तो एक नेक काम ही सही। वे कुछ नहीं बोल पाए थे। बाबूजी इसे दोनों की सहमति समझकर सभी खिलौने लेकर चल दिए। बड़े उत्साह के साथ वे इंडस्ट्रीज एरिया के पीछे बनी झुग्गियों की ओर चल दिए-कितना खुश होंगे वे बच्चे इन खिलौनों को पाकर। रोटी तो जैसे-तैसे वे बच्चे खा ही लेते हैं। तन ढंकने के लिए कपड़े भी मांग-तांगकर पहन ही लेते हैं, पर खिलौने उन बेचारों के नसीब में कहां? उनके चेहरे खिल उठेंगे, आंखें चमक जाएंगी खिलौने देखकर। उन्हें खुश होता देखकर मुझे कितनी खुशी होगी। इससे बड़ा काम तो कोई हो ही नहीं सकता। झुग्गियों के पास पहुंचकर उन्होंने देखा। मैले-फटे कपड़े पहने दो बच्चे सामने से चले आ रहे हैं। उन्हें पास बुलाकर उन्होंने कहा- बच्चो, ये खिलौने में तुम लोगों के बीच बांटना चाहता हूं।

दृष्टि कोण

लद्दाख के संसाधनों पर भारी पड़ रहा है अनियंत्रित पर्यटन

लेह प्रशासन द्वारा बड़े गर्व से बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार लेह-लद्दाख में 44 प्रतिशत अधिक पर्यटक आये। पिछले वर्ष जनवरी से मई के बीच जहां 81,827 पर्यटक आये, वहीं इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 1,17,546 हो गयी। इस बीच यहां एक दंडात्मक कार्रवाई ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पैंगोंग झील और दूसरे संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में नियमों का उल्लंघन करने पर चार पर्यटकों पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। विदित है कि हिमालय की गोद में बसा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख बीते कुछ वर्षों में एक बड़े वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। देश और दुनिया से आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या और उनके यहां रुकने की लंबी अवधि ने निःसंदेह स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। पर इस आर्थिक समृद्धि के पीछे एक ऐसा स्याह सच भी छिपा है, जो लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी के लिए किसी गंभीर खतरे से कम नहीं है। जिसे कभी 'शांगरी-ला', यानी पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाता था, वह आज अनियंत्रित पर्यटन के कारण उपजे कचरे, पानी की किल्लत, बिजली संकट और वाहनों के धुएं से हांफ रहा है। इस बढ़ते पर्यावरणीय भार का सबसे बड़ा हिस्सा लद्दाख के मुख्य शहर लेह को उठाना पड़ रहा है, जहां पर्यटन का यह दबाव स्थानीय बुनियादी ढांचे और प्राकृतिक संसाधनों को सोख रहा है। लेह-लद्दाख में लगभग 670 होटल बन गये हैं और इनमें से 60 प्रतिशत लेह शहर में हैं। चूंकि अधिकांश पर्यटक सबसे पहले लेह ही आते हैं, सो लेह पर वहां की मूल आबादी से तीन गुना बाहर से आये लोगों का बोझ सदा बना रहता है। यहां होटलों और गेस्ट हाउसों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, जिन्होंने पानी की भारी मांग को पूरा करने के लिए अंधाधुंध कमर्शियल बोरवेल खोद डाले हैं। नतीजा, लेह का भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है और प्रशासन को पानी की राशनिंग करने के साथ-साथ टैंकरों के जरिये जलापूर्ति करनी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम होती बर्फबारी और पर्यटन के अत्यधिक दबाव ने पानी की इस कमी को

जीवन-मरण का प्रश्न बना दिया है। सभी होटलों ने बाथरूम में सोलर ऊर्जा से चलने वाले हीटर लगा रखे हैं और सुबह गर्म पानी की आस में कम से कम दस बाल्टी ठंडा पानी नाली में बहाना आम बात है। इस पानी की बर्बादी से लेह का पाताल जल संकट गहराता जा रहा है। इसका विपरीत असर हिम-पहाड़ों से आने वाली सरिताओं पर भी पड़ रहा है। यह किसी से छुपा नहीं है कि पर्यटन बढ़ने से हिमालय के पहाड़ों पर कचरे का संकट बढ़ता है। लेह म्युनिसिपल कमिटी के आंकड़े बताते हैं कि पर्यटन सीजन के दौरान लेह के 13 वार्डों से प्रतिदिन करीब 12 से 13 टन ठोस कचरा निकलता है, जिसमें नौ से दस टन सूखा कचरा और दो से तीन टन गीला कचरा होता है। इसके उलट, सर्दियों के दिनों में, जब सैलानियों की संख्या न के बराबर होती है, सूखे कचरे की मात्रा घटकर केवल तीन से चार टन रह जाती है। कचरे की मात्रा में आने वाला यह भारी उतार-चढ़ाव ही इसके प्रभावी निपटान में सबसे बड़ी बाधा है। यद्यपि, 2020 में स्कंपारी में सौर ऊर्जा से संचालित 30 टन क्षमता का वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट लगाया गया है, पर शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे के तापमान में गीला कचरा पूरी तरह जम जाता है। अत्यधिक ठंड और ऊंचाई के कारण मजदूरों की कार्यक्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, जिससे कचरे की प्रोसेसिंग में देरी होने लगती है। सबसे खराब स्थिति सर्दियों में भारी बर्फबारी के दौरान होती है, जब कचरा इकट्ठा करने वाले ट्रकों की आवाजाही ठप हो जाती है और लोग मजबूरी में कचरे को खुले में या अपने स्तर पर जलाने लगते हैं।

आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा

भारत में नागरिकता साबित करने के दस्तावेज का सवाल

विदेश मंत्रालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज़ है, न कि नागरिकता का पक्का सबूत। स्वतः संज्ञान वाले इस बयान ने एक पुरानी अहम बहस को फिर जिंदा कर दिया: क्या भारत को नागरिकता के प्रमाण लिए किसी एक, पक्के सबूत की ज़रूरत है? लोगों की प्रतिक्रिया हैरानी भरी थी। यदि पासपोर्ट भी पक्का सबूत नहीं, तो फिर क्या है? क्या आधार नागरिकता का सबूत है? क्या वोटर आईडी कार्ड है? क्या कोई ऐसा दस्तावेज़ है जो इस सवाल को हमेशा के लिए सुलझा दे? सीधा जवाब है- नहीं। भारत में कभी भी नागरिकता का कोई एक, सर्वमान्य दस्तावेज़ नहीं रहा। उलझन इसलिए पैदा होती है कि हम तीन अलग-अलग अवधारणाओं, पहचान, निवास और नागरिकता, को एक ही मान लेते हैं। वे आपस में जुड़ी हैं, लेकिन एक जैसी नहीं। आधार कार्ड पहचान व निवास की पुष्टि करता है। पासपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में सहायक है। वोटर आईडी कार्ड वोट देने की पात्रता बनाता है। इनमें कोई भी सभी उद्देश्यों के लिए नागरिकता का कानूनी व पक्का सुबूत नहीं, हालांकि आखिरी दो केवल नागरिकों को ही जारी किए जाते हैं। भारत में नागरिकता 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण(तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के ज़रिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण-पत्र की बजाय कई रिकॉर्ड्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है : हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं। आधार कार्ड का अनुभव सीखने लायक है। साल 2009 में शुरू किए गए आधार कार्ड को निवासियों की विशिष्ट पहचान के साधन के तौर पर डिज़ाइन किया गया था, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बेहतर ढंग से पहुंचाया जा सके और दोहरापन खत्म हो। इसे जानबूझकर नागरिकता से अलग रखा गया था, नहीं पता क्यों। इसका नामांकन निवास के आधार पर किया गया था, न कि राष्ट्रीयता के। नतीजतन, आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा। मुझे लगता है, यह एक चूक थी। इसे दोहरे उद्देश्य वाले दस्तावेज़ के तौर पर बनाना चाहिए था। नागरिकता पर बहस सबसे नाटकीय ढंग से असम में फिर उभरी। जहां एनआरसी सर्वे सिर्फ़ पहचान साबित करने की प्रक्रिया नहीं थी; यह राज्य में अवैध रूप से आकर बसने के इतिहास से जुड़ी नागरिकता की जांच-पड़ताल प्रक्रिया थी। 1985 के असम समझौते के तहत निवासियों को सबूत देना था कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 से पूर्व भारत में मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में हुई इस प्रक्रिया में हज़ारों अधिकारी शामिल थे, करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च हुए और पांच साल चली। फिर भी, नतीजा बहुत विवादित रहा। 2019 में जारी अंतिम सूची से करीब 19 लाख आवेदक बाहर कर दिये । जो लोग एनआरसी की मांग कर रहे थे, उनके मुताबिक, इसमें अभी भी अवैध प्रवासी ले लिये, जबकि बाहर किए कई लोगों का दावा था कि असली नागरिक छोड़ दिए। अंतिम आधिकारिक सूची अभी अधिसूचित नहीं की व अधर में है। तो यह प्रक्रिया विफल क्यों रही? इसका जवाब पुरानी तारीखों से नागरिकता साबित करने की जटिलता में छिपा है। लाखों आम भारतीयों को– जैसे गरीब, प्रवासी, महिलाएं, भूमिहीन मज़दूर और बाढ़ विस्थापित- दशकों पुराने दस्तावेजी सबूत पेश करने में मशक्कत करनी पड़ी। नाम में अंतर, रिकॉर्ड न मिलना या शादी के बाद नाम चेंज जैसी चीज़ों ने और मुश्किलें पैदा की। जब तीन करोड़ से ज़्यादा लोगों से आधी सदी से पुराने रिकॉर्ड के ज़रिए नागरिकता साबित करने को कहा जाए तो त्रुटियां स्वाभाविक है। अक्सर दी जाने वाली दलील कि पासपोर्ट या वोटर कार्ड जाली भी हो सकते हैं, लेकिन तब तो यह तर्क एनआरसी में जमा किए गए किसी भी दस्तावेज़ पर समान रूप से लागू होता है। जालसाज़ी का मुद्दा बेहतर जांच-पड़ताल वाली व्यवस्था बनाने की मांग करता है, न कि किसी दस्तावेज़ को खारिज करने की। असम का अनुभव एक बड़ा सवाल खड़ा करता है: अगर 3.3 करोड़ आबादी वाले एक राज्य में ही इतनी मुश्किलें आईं, तो क्या 145 करोड़ लोगों के साथ पूरे देश में ऐसी प्रक्रिया बिना बड़ी परेशानी संभव होगी? यहां सवाल सिर्फ़ प्रशासनिक नहीं; जनता पर भरोसे का भी है। चुनाव आयोग में छह साल बिताने के बाद, मैं जानता हूं कि नागरिक किसी भी ऐसी प्रक्रिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं जिसे वे बोझिल या खुद को बाहर कर दिए जाने वाली मानते हों। मतदाता सूची के हालिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' से जुड़े विवाद यही दर्शाते हैं। लोगों को सत्यापन से दिक्कत नहीं। दिक्कत तब होती है जब बार-बार

पुराने दस्तावेज दिखाने और दफ्तर-दफ्तर भागने को कहा जाये। साथ ही, नागरिकता से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया का विरोध तब होगा जब नागरिकों को लगेगा कि इसका मकसद चुनिंदा लोगों पर लागू करना या दंडित करना है। जनता को सुविधा मिले, न कि परेशानी। तो क्या भारत को नागरिकता का पक्के सबूत का विचार छोड़ देना चाहिए? कदापि नहीं। इसके लिए संसद ने पहले ही रास्ता दिखा रखा है। साल 2003 में संशोधित नागरिकता कानून में हर नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण, भारतीय नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करने और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की बात कही गई है। संलग्न नियमों में, नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर बनाना, तदनुसार सत्यापन एवं एनआरसी तैयार करने का प्रावधान था। इस तरह, कानूनी ढांचा करीब दो दशक से मौजूद है। कमी रही है क्रियान्वयन की नागरिक-हितैषी रूपरेखा बनाने और इसे निष्पक्ष एवं बिना जल्दबाजी लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की। वह रूपरेखा दो आधारों पर टिकी हो। पहला, जन्म का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन (जिसे 1969 के कानून से अनिवार्य किया गया था) यह भविष्य के नागरिकता रिकॉर्ड का आधार बनना चाहिए। इसके लिए मैं दोहरे तरीके का सुझाव देता हूं: एक, जिन लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र है (और ऐसे लगभग 80 करोड़ लोग हैं यानि 65-70 फीसदी), उन्हें सीधे-सीधे नागरिकता कार्ड दिया जा सकता है। दो, पुरानी पीढ़ियों के लिए, सरकार मुख्य रूप से मौजूदा रिकॉर्ड पर निर्भर रहे- वोटर लिस्ट, पासपोर्ट, सरकारी सेवा रिकॉर्ड, टैक्स फाइलिंग, पेंशन रिकॉर्ड और शैक्षणिक प्रमाण पत्र। ये दस्तावेज दशकों से सरकार द्वारा अपने नागरिकों को दी गई मान्यता दर्शाते हैं। कोशिश सबको साथ लेकर चलने की हो, न कि शक की। नागरिकता साबित करने का बोझ बार-बार आम नागरिकों पर नहीं पड़े; सरकार की जिम्मेदारी हो कि वह ठोस आधार पर साबित करे कि अमुक व्यक्ति की नागरिकता की स्थिति पर सचमुच शक है। भले ही इसमें 5-10 साल लगें। अवैध आप्रवासन एक वास्तविक चुनौती है और इसके गंभीर उपाय करने ज़रूरी भी हैं। लेकिन जो तरीके अपनाए जाएं, वे निर्दिष्ट और सबूत आधारित हों; न कि ऐसी जल्दबाजी वाली कार्रवाई, जिसमें कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़ने को बनाए सरकारी जाल में लाखों असली नागरिक फंस जाएं और उन्हें परेशान होना पड़े। नागरिकता, व्यक्ति और राज्य के बीच का बुनियादी रिश्ता है। राष्ट्र को निश्चित ही पता होना चाहिए कि उसके नागरिक कौन हैं और कौन नहीं, लेकिन यह काम इस ढंग से हो जिससे लोगों को भरोसा मिले, न कि डर जाएं; सबको साथ लेकर चलने वाला हो, न कि जानबूझकर बाहर करने वाला; और वह, जिससे नागरिक एवं राज्य के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत होता हो।
- लेखक भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।

भारत में नागरिकता 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण(तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के ज़रिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण-पत्र की बजाय कई रिकॉर्ड्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है : हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं।

देश दुनिया से

पूर्वी भारत का आर्थिक गौरव लौट सकता है

देश ने चुनावों के दौरान खासकर पश्चिम बंगाल में तीव्र राजनीतिक गर्माहट देखी है। तृणमूल कांग्रेस में हुए राजनीतिक घटनाक्रम और उसके बाद चले तीखे आरोप-प्रत्यारोपों से अलग हटकर अब समय आ गया है कि पश्चिम बंगाल के आर्थिक विकास और उसके पूरे पूर्वोत्तर के समेकित विकास पर पड़ने वाले प्रभावों पर विचार किया जाये। दिल्ली से पश्चिम बंगाल तक, झारखंड को छोड़ सभी राज्यों में भाजपा प्रत्यक्ष रूप से या प्रमुख गठबंधन सहयोगी के रूप में सत्ता में है। इसमें पूर्वोत्तर के सात में से छह राज्य भी शामिल हैं। दिल्ली को छोड़कर ये सभी राज्य आर्थिक विकास, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद और मानव विकास के मानकों में पिछड़े हुए हैं। इन राज्यों से लगातार हो रहा पलायन लंबे समय से सामाजिक-राजनीतिक चिंता का विषय रहा है। भारत की आजादी के समय देश का आर्थिक भूगोल आज की तुलना में बिल्कुल भिन्न था। तब उत्तर प्रदेश, अविभाजित बिहार और पश्चिम बंगाल से मिलकर बना पूर्वी क्षेत्र देश की औद्योगिक और वाणिज्यिक अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र था। इस क्षेत्र के पास अधिकांश औद्योगिक आधारभूत संरचना, खनिज संसाधन, रेल नेटवर्क, नदी परिवहन और इंजीनियरिंग क्षमता उपलब्ध थी। उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन, वस्त्र निर्माण, चमड़ा उद्योग, कांच और पीतल उद्योग के साथ कृषि उत्पादन में अग्रणी था। कानपुर को वस्त्र मिलों और चमड़ा उद्योग के कारण 'पूरब का मैनचेस्टर' कहा जाता था। वाराणसी, आगरा, मेरठ और मुरादाबाद जैसे शहर भी अपने मजबूत विनिर्माण आधार के लिए प्रसिद्ध थे। तब बिहार कोयला, लौह अयस्क, अभ्रक, तांबा, बॉक्साइट और चूना पत्थर जैसे खनिजों तथा इस्पात उद्योग का प्रमुख केंद्र था। बोकारो, रांची, धनबाद और हजारीबाग जैसे शहर खनन, धातुकर्म और इंजीनियरिंग पर आधारित एकीकृत औद्योगिक तंत्र का निर्माण करते थे। तब पश्चिम बंगाल निःसंदेह देश का सबसे प्रमुख औद्योगिक राज्य था। कोलकाता भारत का प्रमुख वाणिज्यिक और औद्योगिक केंद्र होने के साथ पूरे

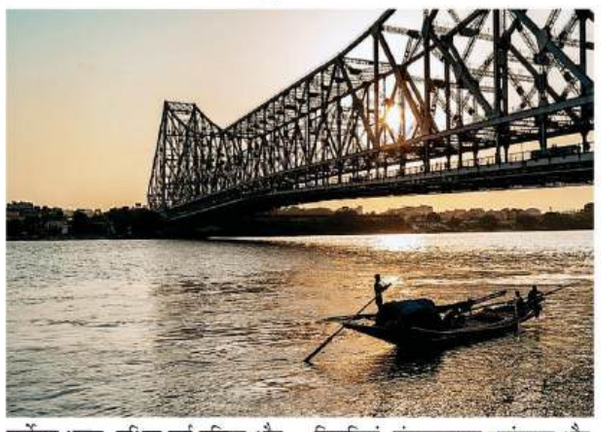

पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण पूर्व एशिया और यहां तक कि यूरोप तक व्यापार का मुख्य प्रवेश द्वार था। यह शहर बैंकिंग, बीमा और जहाजरानी का प्रमुख केंद्र भी था। पश्चिम बंगाल जूट, इंजीनियरिंग उत्पादों, रेलवे उपकरणों, भारी मशीनरी, फाउंड्री, रसायन उद्योग तथा चाय व्यापार और निर्यात में अग्रणी था। कोलकाता, हावड़ा, दुर्गापुर, आसनसोल और वर्धमान तक फैली औद्योगिक पट्टी भारत के भारी उद्योग की रीढ़ थी। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 1950-51 में देश के कुल औद्योगिक उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा अकेले पश्चिम बंगाल से आता था। इस क्षेत्र की एकीकृत अर्थव्यवस्था ने उच्च उत्पादकता सुनिश्चित की। स्वतंत्रता के शुरुआती दशकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में विकसित औद्योगिक ढांचे ने भारत के व्यापक आर्थिक परिवर्तन की नींव रखी थी। पूर्वोत्तर, पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों के बीच आर्थिक असमानता अनेक जटिल ऐतिहासिक घटनाओं का परिणाम है, जिनमें व्यापक आर्थिक नीतियों की विकृतियां, संरचनात्मक असंतुलन और राजनीतिक परिवर्तन शामिल हैं। इस गिरावट की शुरुआत 1952 की मालभाड़ा समानीकरण नीति से हुई। इस नीति के अंतर्गत केंद्र सरकार ने समानीकरण कोष के माध्यम से प्रमुख औद्योगिक कच्चे माल के लंबी दूरी के परिवहन पर सब्सिडी दी, जिससे खनिज संपन्न राज्यों को मिलने वाला प्राकृतिक भौगोलिक लाभ समाप्त हो गया। इस नीति का उद्देश्य क्षेत्रीय आर्थिक संतुलन स्थापित करना था। इसके अंतर्गत कोयला और इस्पात जैसे खनिजों के परिवहन पर सब्सिडी दी गयी। किंतु कपास और तिलहन जैसी अन्य वस्तुओं के परिवहन पर ऐसा नहीं किया गया। उस नीति ने पूर्वी क्षेत्र के कम लागत वाले प्राकृतिक लाभ को समाप्त कर दिया। इससे पश्चिम बंगाल का राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 1960-61 के लगभग 10.15 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में केवल 5.16 फीसदी रह गया। इस झटके को श्रमिक अशांति, आधारभूत संरचना के पतन, कुप्रशासन और तटीय अर्थव्यवस्थाओं के उदय जैसे अन्य कारणों ने और गहरा किया। पूर्वी क्षेत्र उपजाऊ गंगा के मैदानों, विस्तृत रेल और नदी नेटवर्क, कोयला तथा अन्य खनिज संसाधनों, ऐतिहासिक औद्योगिक केंद्रों, विशाल युवा आबादी और बंगाल की खाड़ी तक पहुंच जैसी प्राकृतिक एवं आर्थिक शक्तियों से संपन्न है। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और दक्षिण पूर्व एशिया की निकटता इसे विशाल अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करती है। इतिहासकार और अर्थशास्त्री गुन्नार मिर्डल ने कहा था, विकास और अविकास, दोनों संचयी प्रक्रियाएं हैं। पूर्वी क्षेत्र के पुनरुत्थान को भी एक संचयी प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां प्रत्येक राज्य को अलग-अलग कर देखने के बजाय पूरे क्षेत्र को एकीकृत अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित किया जाये। इसके लिए व्यावहारिक नीतियों और सहयोगात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। कानपुर, प्रयागराज व वाराणसी, पटना और धनबाद तथा आसनसोल, दुर्गापुर और कोलकाता को जोड़ने वाला एक अत्याधुनिक उच्च गति का माल परिवहन एवं औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाना चाहिए। इसमें औद्योगिक पार्क, व्यापारिक केंद्र, गोदाम, लॉजिस्टिक हब व निर्यात क्षेत्र शामिल हों।

आप का नजरीया

क्या होती है राष्ट्र वन्दना ?

भारत की वैदिक संस्कृति परकल्याण की संस्कृति है। कृतज्ञता की संस्कृति है। देवों की संस्कृति है। हमें जो कोई कुछ कहीं से देता है, हम उसके प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हैं और जीवन भर रखते हैं। इसी से हमारे यहां पर कथित रूप से बहुदेवतावाद का विस्तार और विकास हुआ। जिसने भी हमको कुछ दिया, हमने उसी के प्रति श्रद्धा का भाव हृदय में बसा लिया। यह है- भारत। यह है – भारतीयता। यही है- भारतीय संस्कृति की जीवंतता। यही है सनातन का सत्यस्वरूप। हमने अपनी मातृभूमि के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखा। उस पर मर मिटने का भाव रखा। बलिदान देने का भाव रखा। क्योंकि हमारी मातृभूमि हमको जीवन देती है। जीने के सारे साधन देती है। उन साधनों से ही हमारी साधना पूर्ण होती है और उन साधनों के बल पर ही हमें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस प्रकार मातृभूमि हमारे धर्म की साधना में हमारा साथ देती है । जिससे हमारा इहलोक और परलोक दोनों सधते हैं। इसका लौकिक स्वरूप हमारे अभ्युदय की प्राप्ति में सहायक होता है। हमारी साधना की ऊंचाई हमको निश्नेयस की सिद्धि की ओर ले जाती है। अथर्ववेद ने हमको बताया कि राष्ट्र एक माता है। यह माता हमारा निर्माण करती है। हमारे जीवन को ऊंचाई देती है। जीवन की साधना को सफल करती है। इसलिए इसके प्रति कृतज्ञ रहो। झुके रहो इसके समक्ष। राष्ट्र ने तुमको तुम्हारी उन्नति का जो सुंदर से सुंदर परिवेश बना कर दिया है, वह परिवेश अक्षुण्ण रहे और उसमें कोई शत्रु आकर सेंध न लगाए। कोई उसकी श्रृंखला को तोड़ने में सफल न हो पाए। इसके लिए सदा सावधान रहो । राष्ट्र को उसके शत्रुओं से बचाने के लिए यदि आपको अपना बलिदान भी देना पड़े तो निसंकोच दे दो। गुरु गोविंद सिंह जी और बंदा बैरागी जैसे वीर योद्धाओं के बलिदानों को हमें इसी रूप में देखना चाहिए। इस प्रकार के बलिदान राष्ट्र की रक्षा के लिए तो आवश्यक हैं ही राष्ट्रवासियों के लिए भी आवश्यक हैं। ऐसे बलिदानों से ही राष्ट्रवासियों के लिए वह सुंदर परिवेश बनाए रखने में हमको सहायता मिलती है, जिसके कारण उनको सब प्रकार की उन्नति के अवसर उपलब्ध होते हैं। सबके कल्याण के लिए अर्थात सब प्रत्येक प्रकार की उन्नति को प्राप्त हो सकें , इसके लिए यदि मेरा बलिदान भी होता है तो मैं कर दूं। यह भाव हमारी वैदिक संस्कृति का है। इसी को परकल्याण कहते हैं। इसी को जीवन की ऊंचाई कहते हैं। भावार्थ है कि यह भूमि (पृथ्वी) हमारी माता है और हम सब इसके पुत्र हैं। अपनी मातृभूमि अर्थात राष्ट्रभूमि के प्रति हम सदा श्रद्धा से भरे रहें। इसके नदी, नाले , पर्वत इसकी हवाएं, इसके सूर्य का प्रका

अब राजनीति में सफल होने के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी : सतीश महाना

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने रविवार को युवाओं का आह्वान किया कि वे अच्छी तरह से पढ़-लिख कर राजनीति में आएं क्योंकि राजनीति में अब वही सफल होगा जिसे सब कुछ आता है। हालांकि पहले वही राजनीति में आता था, जिसे कुछ नहीं आता था लेकिन अब परिस्थितियां बदली हैं और जनप्रतिनिधि को लाखों लोगों को संतुष्ट करना होता है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना रविवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) यंग इंडियन्स द्वारा आयोजित यंग इंडिया पार्लियामेंट 2026 - कानपुर चैप्टर के समापन सत्र के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित यंग इंडिया पार्लियामेंट 2026 में आए विद्यार्थियों व युवाओं को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही शून्य प्रहर, बिल, तारांकित प्रश्नों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विधानसभा में राज्यपाल के संभाषण,

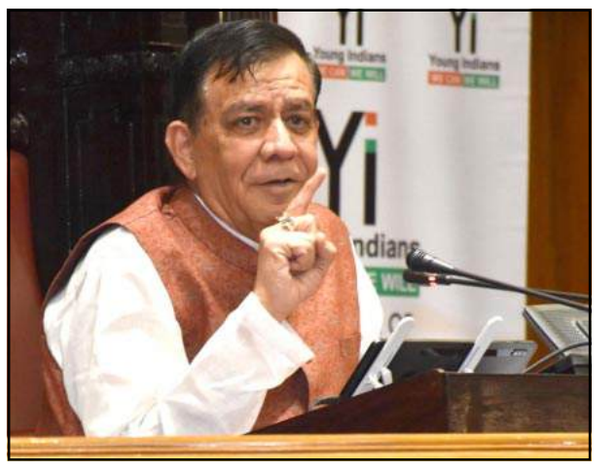

बजट पर चर्चा और मतदान जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा करते हुए अपने द्वारा किए गए बदलावों के बारे में भी बताया। उन्होंने वर्तमान राजनीति की चर्चा करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से पहले कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। बहू-बेटियां शाम होते ही आना-जाना बंद कर देती थीं। तब प्रदेश में कानून राज नहीं था। उन्होंने वर्ष 2017 से पहले अपने गुजरात में दोस्त के यहां घूमने का जिक्र करते हुए बताया कि घर में रात 11 बजे खाना खाने के बाद दोस्त ने पूछा कौन सी आइसक्रीम खाएंगे तो हमने कहा जो होगी खा लेंगे तो दोस्त ने अपनी बेटी का नाम लेते हुए कहा कि वह जाकर अभी लायेगी तो हमें आश्चर्य हुआ कि रात 11 बजे बेटी जाएगी जबकि हमारे यहां उत्तर प्रदेश में तो इतनी रात में यह संभव ही नहीं हैं, लेकिन वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में ऐसा सिस्टम बदला है कि अब यहां भी बहू- बेटियां भी रात में कहीं भी आ-जा सकती हैं। अफसर और पुलिस वही है लेकिन नेतृत्व योगी आदित्यनाथ का है। इसलिए यह सब संभव है। ठीक उसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है जबकि वर्ष 2014 से पहले ऐसा नहीं था। विधानसभा अध्यक्ष महाना ने राजनीति में शुचिता की चर्चा करते हुए कहा कि पहले यही माना जाता था कि जिसे कुछ न आता हो, वही नेता बनेगा लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब तो वही राजनीति में सफल होगा जिसे सब कुछ आता है, क्योंकि उसे लाखों लोगों को संतुष्ट करना होता है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटें हैं और उम्मीदवार अधिक। इसलिए राजनीति में आने के लिए अच्छी तरह से पढ़ना-लिखना जरूरी है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि अगर राजनीति में आना है तो वे अच्छी तरह से पढ़ाई करें। इस कार्यक्रम में कई प्रतिभागियों ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से सदन के संचालन से जुड़े कई सवालों और घटनाओं से जुड़े सवाल पूछे। महाना ने बड़े ही विस्तार से इन सवालों के जवाब दिए और समझाया भी कि सदन चलाने के लिए बहुत ही संयमित और मर्यादित आचरण होना चाहिए। यह पक्ष और विपक्ष के दोंनो पक्ष के सदस्यों को मानना चाहिए ओर सरकार को भी चाहिए कि विपक्ष की पूरी बात सुनें। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा में बड़ी संख्या में डॉक्टर, मैनेजमेंट और विधि स्नातक उपाधि धारक सदस्य हैं और वे सदन में मर्यादा में रह कर अपने क्षेत्र के लोगों से जुड़े मुद्दों को रखते हैं। विकास की योजनाओं, बजट पर अपनी राय रखते हैं। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने विधानसभा भवन व सदन भी देखा और महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर सीआईआई यंग इंडियन्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुज अग्रवाल, कानपुर चैप्टर के चेयर संचित अग्रवाल, को-चेयर यश अग्रवाल तथा सीआईआई उत्तर प्रदेश के निदेशक एवं स्टेट हेड आलोक शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली व्यवस्था सुधारने में विफल सरकार अब उपभोक्ताओं पर ही डाल रही अपनी नाकामी का बोझ : वंशराज दुबे

लखनऊ (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने रविवार को जारी बयान में उत्तर प्रदेश सरकार और लेसा पर बिजली उपभोक्ताओं के साथ *संगठित आर्थिक बोझ बढ़ाने* का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लखनऊ में लगभग 12 लाख तथा पूरे प्रदेश में करीब 47 लाख उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शनों का भार बिना आवेदन, बिना सहमति और बिना किसी पूर्व सूचना के बढ़ा दिया गया है। इस निर्णय से लाखों गरीब परिवार अतिरिक्त बिजली शुल्क देने को मजबूर होंगे और बड़ी संख्या में लाइफ लाइन श्रेणी के उपभोक्ता सरकारी रियायतों से भी वंचित हो जाएंगे। वंशराज दुबे ने कहा कि सरकार ने बिजली व्यवस्था सुधारने के बजाए सीधे जनता की जेब पर हमला किया है। पूरे प्रदेश में करीब 47 लाख उपभोक्ताओं और केवल लखनऊ में लगभग 12 लाख बिजली उपभोक्ताओं का स्वीकृत लोड एकतरफा बढ़ा दिया गया। उन्होंने कहा कि यह बिजली व्यवस्था का सुधार नहीं बल्कि जनता से अधिक राजस्व वसूलने की सुनियोजित योजना है। सरकार को पहले यह बताना चाहिए कि आखिर किस आधार पर लाखों उपभोक्ताओं का लोड एक साथ बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि इस फैसले का सबसे बड़ा नुकसान गरीब परिवारों को होगा। जिन उपभोक्ताओं के पास एक किलोवाट का कनेक्शन था और जो लाइफ लाइन श्रेणी के अंतर्गत सरकारी रियायतों के पात्र थे, उनका कनेक्शन बढ़ाकर दो किलोवाट कर दिया गया। इससे वे स्वत: उस श्रेणी से बाहर हो जाएंगे और उन्हें मिलने वाली सब्सिडी तथा अन्य लाभ समाप्त हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार गरीबों को योजनाओं का लाभ देने के बजाए योजनाओं से बाहर करने का नया रास्ता खोज रही है। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग के अपने नियम स्पष्ट कहते हैं कि यदि किसी उपभोक्ता के यहां लगातार निर्धारित अवधि तक स्वीकृत क्षमता से अधिक लोड दर्ज होता है, तभी आवश्यक प्रक्रिया पूरी करके लोड बढ़ाया जा सकता है। लेकिन यहां लाखों उपभोक्ताओं का लोड बिना किसी तकनीकी परीक्षण, बिना नोटिस और बिना उपभोक्ता की सहमति के बढ़ा दिया गया। उन्होंने कहा कि यह न केवल नियमों की अनदेखी है बल्कि उपभोक्ताओं के अधिकारों का भी खुला उल्लंघन है। उन्होंने मांग की कि सरकार इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस ले, अन्यथा आम आदमी पार्टी इस अन्याय के खिलाफ प्रदेशभर में जनता के साथ खड़ी रहेगी और बिजली उपभोक्ताओं के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ेगी।

होशियारपुर सेंट्रल जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट गिरफ्तार, नशा और पैसों की मांग के लगे थे आरोप

चंडीगढ़ (हिंस)। होशियारपुर सेंट्रल जेल से जुड़े वायरल वीडियो मामले में पुलिस ने जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट हरभजन सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी थाना सिटी होशियारपुर में 14 जून को दर्ज एफआईआर के सिलसिले में की गई है। पुलिस के मुताबिक हरभजन सिंह के खिलाफ पंजाब प्रिजन्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। हालांकि, पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि जेल अधिकारी की गिरफ्तारी किन खास सबूतों या आरोपों के आधार पर की गई है। यह मामला होशियारपुर सेंट्रल जेल में बंद मनप्रीत सिंह उर्फ मन्ना के कथित वायरल वीडियो से जुड़ा है। मनप्रीत सिंह बठिंडा जिले के तलवंडी साबो का रहने वाला है और जेल में बंद है। 14 जून को उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था, जिसके बाद जेल प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे थे। वीडियो में मनप्रीत ने जेल स्टाफ पर परेशान करने, पैसों की मांग करने और जेल के अंदर नशा उपलब्ध होने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। उसने यह भी दावा किया था कि कुछ जेल कर्मचारी कैदियों के साथ मारपीट करते हैं। वीडियो में उसने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से जेलों में सुधार करने और कैदियों को सुधरने का मौका देने की अपील भी की थी। वीडियो वायरल होने के बाद जेल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान जेल के अंदर मनप्रीत सिंह के पास से बिना सिम वाला मोबाइल फोन भी बरामद किया गया था। इस वीडियो ने राजनीतिक विवाद भी खड़ा कर दिया था।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान ने भारत की एकता को किया मजबूत : नायब सिंह सैनी

पठानकोट में आयोजित समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए सबसे बड़ा बलिदान दिया। उन्होंने जो आवाज उठाई और जो सपना देखा, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर पूरा किया है। आज, भारतीय तिरंगा कश्मीर से कन्याकुमारी तक शान से लहरा रहा है। नायब सिंह सैनी रविवार को पंजाब के पठानकोट में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर बोल रहे थे। इस मौके पर पठानकोट के विधायक अश्विनी शर्मा, पंजाब विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर दिनेश बब्बू, पूर्व विधायक सीमा कुमारी और दूसरे वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पठानकोट सिर्फ एक शहर नहीं बल्कि *भारत माता* की उत्तरी सीमा है। यह बहादुर योद्धाओं, शहीदों, देशभक्तों और देश के महान सपूतों की धरती है, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। यहां की मिट्टी में वीरता की खुशबू और हवा में देशभक्ति की भावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी जी एक प्रसिद्ध

शिक्षाविद होने के साथ साथ एक प्रखर राजनेता भी थे। उन्होंने कहा कि सिर्फ 33 साल की उम्र में ही वे कलकत्ता यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर बन गए। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नारा दिया था,एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। यह सिर्फ एक राजनेतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज थी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को भारत में पूरी तरह मिलाने के लिए संघर्ष किया और बिना परमिट के इस इलाके में आने का निर्णय लिया। उन्हें माधोपुर से जम्मू और कश्मीर में प्रवेश करते समय गिरफ्तार किया गया। उस समय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी उनके साथ थे। बाद में हिरासत में रहते हुए डॉ. मुखर्जी का निधन हो गया। यह कोई साधारण मृत्यु नहीं थी बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए किया गया सर्वोच्च बलिदान था। उन्होंने कहा कि जिस मिशन के लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी, वह 5 अगस्त, 2019 को पूरा हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। आज भारतीय तिरंगा कश्मीर से कन्याकुमारी और अटक से कटक तक शान और सम्मान के साथ लहराता है। उन्होंने कहा कि जब वह पंजाब की ओर देखते हैं, तो उन्हें चिंता और दर्द महसूस होता है। आज पंजाब में समाज का हर वर्ग ठगा सा महसूस कर रहा है। युवाओं से नौकरी के वादे किए गए, लेकिन आज युवा नशे की गिरफ्त में हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं से वित्तीय मदद के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन अब चार साल बीत जाने के बाद भी वायदें पूरे नहीं हुए हैं। हरियाणा में महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए दिए जा रहे हैं।

जनता केवल घोषणाएं नहीं बल्कि प्रभावी कानून व्यवस्था चाहती है : कुमारी सैलजा

फतेहाबाद (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद कुमारी सैलजा ने जिले के खाराखेड़ी गांव में पूर्व सरपंच राजेंद्र खिलेरी की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या की कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि यह घटना अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस जघन्य हत्या के दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि अपराधियों में कानून का भय स्थापित हो सके। सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को जिला फतेहाबाद के रतिया क्षेत्र के गांव हड़ौली में नागपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय के उद्घाटन उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। कुमारी सैलजा ने हरियाणा की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार हत्या, लूट, डकैती, गोलीबारी, फिरौती तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया है। सांसद ने कहा कि हाल ही में पानीपत में आधी रात पेट्रोल पंप पर सात बदमाशों द्वारा सेल्समैन के साथ मारपीट कर लगभग 1.25 लाख रुपए की लूट की घटना भी कानून व्यवस्था की विफलता का स्पष्ट उदाहरण है। यदि अपराधी खुलेआम वारदात कर आसानी से फरार हो रहे हैं तो यह सरकार और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि जनता केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि प्रभावी कानून व्यवस्था चाहती है। सरकार को पुलिस व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाते हुए अपराधियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाने वाली पार्टी रही है।

सहकारिता : ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम

धौलपुर (हिंस)। जिला सहकारी विकास समिति की बैठक जिला कलक्टर एवं समिति अध्यक्ष श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में सहकारी आंदोलन को अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाना रहा। बैठक में जिला कलेक्टर ने सहकारी समितियों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने पैक्स के कंप्यूटरीकरण, ग्राम पंचायत स्तर पर बहुउद्देशीय सेवा सहकारी समितियों के गठन तथा समितियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही अनाज भंडारण के लिए

गोदाम निर्माण तथा पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में विकसित करने की योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों एवं ग्राम सेवा सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण के लिए भूमि आवंटन किया जा चुका है। वहां शीघ्र गोदाम निर्माण की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सहकारी संस्थाओं को आधुनिक तकनीक, पारदर्शी कार्यप्रणाली एवं बेहतर प्रबंधन से जोड़ना समय की आवश्यकता है। जिला कलक्टर ने निष्क्रिय सहकारी समितियों को पुन: सक्रिय करने तथा भूमि एवं भवन विहीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला कलक्टर ने निर्धारित समय सीमा में भुगतान सुनिश्चित करने तथा राज्य स्तरीय रैंकिंग में धौलपुर जिले की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में उप रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग सतेन्द्र सिंह मीना, सचिव भूमि विकास बैंक ताराचंद मेहरा तथा प्रबंध निदेशक कॉ-ओपरेटिव बैंक भरतपुर नरेश शुक्ला सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ की बैठक

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लखनऊ प्रवास के दूसरे दिन रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथपरिचयात्मक बैठक की। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी के अलावा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रदेश सरकार में मंत्री भूपेंद्र चौधरी, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी उपस्थित रहे। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने भाजपा के सहयोगी दलों के नेताओं के साथ बैठक की। सहयोगी दलों के नेताओं में रालोद के त्रिलोक त्यागी, निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद, सुभाषपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर, अपना दल से आशीष पटेल मौजूद रहे। सभी नेताओं की बात भाजपा अध्यक्ष ने सुनी और सभी से कहा कि जिताऊ उम्मीदवारों को ही चुनाव लड़ाया जाएगा। इसके बाद जियामऊ स्थित विश्व संवाद केंद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों से भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने भेंट की। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष की उपस्थिति में संपन्न बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल, प्रांत प्रचारक कौशल, क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष, प्रांत के विशेष संपर्क प्रमुख प्रशांत भाटिया, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. पवन पुत्र बादल, इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री संजय, विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह, प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप, क्षेत्र घुमंतू कार्य प्रमुख राजेश, अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नीरज सिंह और प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

भीमनगर में 1074 महिला जवानों की पासिंग आउट परेड, बिहार पुलिस को मिली नई शक्ति

सुपौल (हिंस)। जिले के भीमनगर स्थित बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) की 12वीं बटालियन परिसर शनिवार को गौरव और उत्साह के माहौल से सराबोर रहा। करीब नौ महीने के कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन और अथक मेहनत के बाद 1074 महिला प्रशिक्षुओं ने भव्य पासिंग आउट परेड में भाग लेते हुए बिहार पुलिस की नई शक्ति के रूप में अपनी औपचारिक शुरुआत की। प्रशिक्षण वर्ष 2025-26 के तहत आयोजित इस समारोह में परेड ग्राउंड को विशेष रूप से सजाया गया था। सभी 36 प्लाटून की महिला प्रशिक्षु पूरी वर्दी में अनुशासित ढंग से परेड मैदान में खड़ी थीं। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद कोसी रेंज के डीआईजी डॉ. कुमार आशीष और बीएसएपी 12वीं बटालियन के कमांडेंट शशि शंकर कुमार ने खुली जीप से परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत महिला जवानों ने अर्धचंद्राकार गठन सहित कई आकर्षक ड्रिल और शानदार परेड का प्रदर्शन किया। उनकी एकरूपता, तालमेल, आत्मविश्वास और अनुशासन ने उपस्थित अधिकारियों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों को प्रभावित कर दिया। पूरे समारोह के दौरान देशभक्तिम और कर्तव्यनिष्ठा का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। डीआईजी डॉ. कुमार आशीष ने सभी प्रशिक्षु महिला जवानों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद सभी 36 प्लाटून ने मंच पर मौजूद अतिथियों को सलामी देकर अपने प्रशिक्षण कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

किया। इस भव्य परेड की कमान पूर्णिया जिले की मेघा कुमारी ने मुख्य परेड कमांडर के रूप में संभाली। उनके नेतृत्व में पूरा समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में महिला प्रशिक्षुओं के माता-पिता और परिजन भी शामिल हुए। अपनी बेटियों को वर्दी में देखकर कई अभिभावक भावुक नजर आए। पासिंग आउट परेड के बाद महिला जवानों ने अपने परिजनों और साथियों के साथ तस्वीरें खिंचवाकर इस यादगार पल को संजोया। इस अवसर पर बीएसएपी 12वीं बटालियन के कमांडेंट शशि शंकर कुमार, एसएसबी 45वीं बटालियन के कमांडेंट गौरव सिंह, डीएसपी वासुदेव राय, राकेश कुमार भास्कर, सुमन कुमार शर्मा, 15वीं बटालियन के डीएसपी जय प्रकाश सिंह, रमेश कांत चौधरी समेत बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की 12वीं और 15वीं बटालियन के कई अधिकारी उपस्थित रहे। पासिंग आउट परेड के साथ ही 1074 महिला जवानों की प्रशिक्षण यात्रा सफलतापूर्वक पूरी हो गई।

आज ही के दिन शुरू की गई थी दबे-कुचले, शोषित और अल्पसंख्यकों के लिए लड़ाई : लालू यादव

पटना (हिंस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू यादव ने पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यकर्ताओं के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि राजद केवल चुनाव लड़ने वाला राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाला जनआंदोलन है। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से सामाजिक सरोकारों के साथ निरंतर जुड़े रहने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में लालू यादव ने कहा कि 05 जुलाई का दिन उनके लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन अनेक वरिष्ठ साथियों के साथ मिलकर गरीबों, शोषितों, दबे-कुचले वर्गों, पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की लड़ाई शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि बिहार में सामाजिक और आर्थिक असमानता को समाप्त करने के उद्देश्य से राजद के हजारों कार्यकर्ताओं ने त्याग और बलिदान की मिसाल कायम की है। पार्टी का आज जो स्वरूप है, वह समर्पित कार्यकर्ताओं के खून-पसीने और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने सभी समर्पित नेताओं और कार्यकर्ताओं को नमन करते हुए उनके योगदान की सराहना की। लालू यादव ने कहा कि राजद की राजनीति हमेशा सामाजिक और आर्थिक गैरबराबरी के खिलाफ रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का विकास मॉडल केवल हवाई अड्डों, बड़े मॉल और आलीशान होटलों के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना उसका मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक माना जाएगा, जब गरीब और वंचित वर्गों की उसमें समान भागीदारी सुनिश्चित हो। लालू यादव ने कहा कि राजद

ने सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था में व्याप्त असमानताओं के खिलाफ लगातार संघर्ष करते हुए लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने का प्रयास किया है। समाजवादी विचारधारा के पुरोधाओं डॉ. राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, कर्पूरी ठाकुर और डॉ. भीमराव अंबेडकर के मूल्यों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पहले से अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि अब लक्ष्य वंचित समाज के आर्थिक और मनोवैज्ञानिक सशक्तीकरण की लड़ाई को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाना है। राजद अध्यक्ष ने देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक और जनवादी विचारधारा वाले दलों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं पर नियंत्रण, पूंजी के प्रभाव, जनप्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त और दक्षिणपंथी राजनीति के कारण लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ा है। उनके अनुसार पिछड़ों की भागीदारी, शिक्षा, रोजगार और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को अन्य राजनीतिक विमर्शों के पीछे धकेला जा रहा है। राजद प्रमुख ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि वे यह समझें कि राजद केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है। पार्टी को अपने समर्थक वर्गों, सामाजिक संगठनों और प्रगतिशील समूहों के साथ लगातार संवाद बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि राजद संसद से लेकर सड़क तक जनता के मुद्दों पर संघर्ष करने में सक्षम है और आगे भी सामाजिक न्याय तथा संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगा। उल्लेखनीय है कि राजद ने 01 जुलाई को पटना में अपना स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया था। पार्टी अपने 29 वर्ष पूरे कर 30वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है।

बजट कार से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां लान्च होंगी जुलाई में

नई दिल्ली

चालू महीना भारतीय कार बाजार के लिए काफी हलचल भरा होने वाला है, जहाँ बजट कार से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियाँ लान्च होंगी। आटोमोबाइल सेक्टर में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच ग्राहकों को आकर्षक विकल्प मिल रहे हैं, जो डिजाइन, टेक्नोलाजी और सस्टेनेबिलिटी का बेहतरीन काम्बिनेशन पेश करेंगे। इस सूची में सबसे पहले रेनाल्ट क्विड फेसलिफ्ट है, जो जल्द आ रही है। इसे डेसिया स्प्रिंग से प्रेरित शार्पर फ्रंट एंड, वाय-शेप एलईडी डीआरएलएस और नए टेललाइट्स के साथ एक माडर्न एसयूवी-जैसा लुक मिलेगा। इसमें बड़ा 10-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 6 एयरबैग स्टैंडर्ड मिलेंगे।

यह मौजूदा 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आएगी और इसकी संभावित कीमत रुपए 4.30 लाख से रुपए 5.88 लाख (एक्स-शोरूम) के बीच रहेगी। इसके बाद, 9 जुलाई को निसान टेकटान एंट्री करेगी।

इसमें निसान पेट्रोल से प्रेरित बोल्ड और मस्कुलर डिजाइन होगा, जिसमें सी-शेप्ड एलईडी लाइट्स और वी-मोशन ग्रिल मुख्य आकर्षण होंगे। इसके इंटीरियर में थ्री-टोन थीम, बड़ा टचस्क्रीन और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पावरट्रेन में 1.0 लीटर/1.3 लीटर टर्बो-पेट्रोल और संभवत: हाइब्रिड सिस्टम शामिल होंगे, जिसकी संभावित कीमत रुपए 11 लाख से रुपए 18-19 लाख (एक्स-शोरूम) के बीच रहेगी।

लगभग 16 जुलाई को जेएसडब्ल्यू एमजी पीएचईवी एसयूवी आने वाली है। यह वुलिंग स्टारलाइट 560 पर आधारित एक बोल्ड और अपराइट डिजाइन वाली 7-सीटर एसयूवी होगी। इसके इंटीरियर में दो बड़े स्क्रीन्स और प्रीमियम मैटेरियल्स के साथ स्पेशियस केबिन मिलेगा।

इसका पीएचईवी सेटअप 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के साथ 197 बीएचपी पावर, 100 प्लस किमी ईवी रेंज और कुल 1000+ किमी रेंज देगा। इसकी संभावित कीमत रुपए 20 लाख से शुरू हो सकती है।

मारुति सुजुकी ब्रेज़ा फेसलिफ्ट 23 जुलाई को लान्च होगी। इसमें रिफ्रेश्ड फ्रंट ग्रिल, नए हेडलैंप्स और अपडेटेड बंपर्स के साथ नया लुक आएगा। इंटीरियर में बड़ा 10.1-इंच टचस्क्रीन, रीडिजाइन्ड डैशबोर्ड और वेंटिलेटेड सीट्स मिलेंगी। फीचर्स में 360-डिग्री कैमरा और एडीएएस (संभवत:) शामिल होंगे। पावरट्रेन में नया 1.0 लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन और मौजूदा 1.5 लीटर इंजन व सीएनजी आप्शन भी रहेगा। इसकी संभावित कीमत रुपए 8.5 लाख से रुपए 14-15 लाख (एक्स-शोरूम) के आसपास रहेगी।

अंत में, टोयोटा हाइलक्स का नया जेन माडल भी इस महीने प्रवेश के लिए तैयार है। इसमें शार्पर, एंगुलर और बोल्ड डिजाइन लैंग्वेज होगी, जिसमें स्लिम एलईडी हेडलैंप्स और 17-इंच व्हील्स शामिल हैं। इसका इंटीरियर डुअल 12.3-इंच डिस्प्ले, अडास, 360-कैमरा और वेंटिलेटेड सीट्स के साथ काफी माडर्न होगा। पावरट्रेन में 2.8 लीटर डीजल इंजन (204 पीएस) 6-स्पीड एमटी/एटी और 4डब्ल्यूडी के साथ जारी रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में जापानी जीसीसी का बढ़ता प्रभाव, अर्थव्यवस्था में दिखेगा बड़ा असर: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के विकास में जापानी उद्यम सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में उभरे हैं। डेलायट इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये केंद्र वित्त वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में 470 डालर से 600 अरब डालर का भारी-भरकम आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं, साथ ही लाखों उच्च-कौशल वाली नौकरियां भी सृजित करेंगे। इंडियाज स्ट्रेटेजिक जीसीसी प्ले फार जापानी एंटरप्राइजेज रिपोर्ट बताती है कि भारत में पहले से ही 100 से अधिक जापानी जीसीसी स्थापित हैं। डिजिटल और इंजीनियरिंग की बढ़ती मांगों के कारण, ये केंद्र जीडीपी में 2.8 फीसदी तक का योगदान देंगे, जिससे भारत वैश्विक क्षमता नेटवर्क का केंद्र बनेगा। ये जीसीसी अब बैक-आफिस कार्यों से हटकर एआई, क्लाउड और डिजिटल विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में इंजीनियरिंग, डिजिटल परिवर्तन और उत्पाद नवाचार के रणनीतिक केंद्र बन रहे हैं। डेलायट इंडिया के साझेदार रोहन लोबो ने कहा कि भारत और जापान नवाचार पर आधारित आर्थिक सहयोग के नए चरण में हैं। उन्होंने बताया कि भारत, अपने विशाल इंजीनियरिंग प्रतिभा और डिजिटल विशेषज्ञता के साथ, जापान के लिए एक प्रमुख रणनीतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रिपोर्ट जीसीसी की भूमिका में मौलिक बदलाव पर प्रकाश डालती है, जो बैक-आफिस सहायक कार्यों से बहु-विषयों वाले उत्कृष्टता केंद्रों तक विकसित हो रहा है। यह एंड-अु-एंड उत्पाद विकास, नवाचार और उद्यम लचीलापन को बढ़ावा दे रहा है। भारत के विशाल स्टेम प्रतिभा पूल तक पहुंच के जरिये डिजिटल बदलाव को तेज करने और साथ ही आबादी से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने की जापान की जरूरत इस बदलाव को और मजबूत कर रही है।

जापान में 50,000 नौकरियों का रास्ता: हरियाणा के युवाओं के लिए फुकुओका का प्लान

गुरुग्राम। जापान अपनी बढ़ती औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अगले 5 वर्षों में हरियाणा के करीब 50,000 युवाओं को रोजगार और इंटर्नशिप के मौके प्रदान करेगा। यह पहल जापान के फुकुओका प्रांत और हरियाणा सरकार के बीच हुए ऐतिहासिक सहयोग का परिणाम है। इस कदम से प्रदेश के युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास और करियर के नए द्वार खुलने वाले है। दरअसल, फुकुओका प्रांत में सेमीकंडक्टर, आटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे अहम क्षेत्रों की लगभग 80 प्रतिशत कंपनियों को तकनीकी रूप से कुशल कर्मचारियों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। जापान की बढ़ती बुजुर्ग आबादी और कम होती कार्यशील जनसंख्या संकट का मुख्य कारण है, जिसके चलते फुकुओका प्रांत की सरकार ने हरियाणा से सहयोग का आग्रह किया है। प्रवक्ता ने बताया कि फुकुओका की औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हरियाणा के कुशल युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी मामले को दोषपूर्ण बताया, स्थायी रूप से आरोप हटाने का आग्रह

न्यूयार्क । अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य सात आरोपियों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामले को स्थायी रूप से समाप्त करने का अनुरोध किया है। विभाग ने अपने विस्तृत हलफनामे में कहा है कि यह मामला एक वर्ष पहले ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए था या फिर इसे कभी दर्ज ही नहीं किया जाना चाहिए था। न्याय विभाग के अनुसार इस मामले के अधिकांश कथित घटनाक्रम भारत में हुए, भारतीय कंपनियों और भारतीय अधिकारियों से जुड़े थे तथा इसकी जांच भारतीय एजेंसियों ने भी की थी। विभाग का कहना है कि ऐसे मामलों में भारत की न्याय व्यवस्था अधिक उपयुक्त है और अमेरिका को दुनिया का पुलिसकर्मी बनने की आवश्यकता नहीं है।

गिरावट के बावजूद साप्ताहिक आधार पर 2,780 रुपये तक महंगा हुआ सोना

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 260 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चेन्नई में सोने के भाव में 100 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी के भाव में सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। सोने के भाव में कमजोरी आने के बावजूद साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 2,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 2,550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई। चांदी भी उतार चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। इस उछाल के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,49,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

44,467 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पहले स्थान पर टीवीएस

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पिछले महीने टाप-5 ब्रांड्स ने बाजार का लगभग 82.6प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। इसमें ईवी टू-व्हीलर सेगमेंट में टीवीएस का दबदबा लगातार बना हुआ है। टीवीएस मोटर कंपनी ने 44,467 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पहला स्थान बनाए रखा, जबकि बजाज आटो, एथर एनर्जी, हीरो विडा और ओला इलेक्ट्रिक ने भी दमदार प्रदर्शन किया। टीवीएस मोटर कंपनी ने जून माह में 44,467 यूनिट रजिस्ट्रेशन कर ईवी टू-व्हीलर बाजार में पहला स्थान हासिल किया है, जो 24.5प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ प्रतिस्पर्धा से अच्छी लीड है। टीवीएस की सफलता का मुख्य कारण उसके आईक्यूब सीरीज का मजबूत प्रदर्शन, बेहतर बैटरी टेक्नोलाजी, लंबी रेंज और विश्वसनीय सर्विस नेटवर्क है। ग्राहक टीवीएस को प्रीमियम फील, स्मूथ परफार्मेंस और कम मेंटेनेंस के लिए पसंद कर रहे हैं। बजाज आटो ने 40,576 रजिस्ट्रेशन्स के साथ दूसरे स्थान पर कब्जा जमाया है, जो 22.4प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करती है। चेतक सीरीज बजाज की सफलता का बड़ा कारण रही है, जिसकी रणनीति किफायती दाम, मजबूत बिल्ड क्वालिटी और अच्छी आफ्टर-सेल्स सर्विस पर आधारित है। एथर एनर्जी ने 29,422 यूनिट्स के रजिस्ट्रेशन कर तीसरा स्थान हासिल किया, जो 16.2प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ प्रीमियम ईवी सेगमेंट में मजबूत पकड़ रखती है। एथर 450एक्स और रिज्टा माडल्स अपने एडवांस्ड फीचर्स, टचस्क्रीन डिस्प्ले और स्मार्ट कनेक्टिविटी के लिए जाने जाते हैं, जो युवा और शहरी ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। हीरो मोटोकार्प के सब-ब्रांड विडा ने 20,198 रजिस्ट्रेशन्स के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। 11.2 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ विडा ने किफायती ईवी सेगमेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। विडा वी1 और वी2 माडल्स की लोकप्रियता उनके दमदार रेंज, आकर्षक डिजाइन और हीरो के विशाल सर्विस नेटवर्क पर आधारित है। ओला इलेक्ट्रिक ने 15,096 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पांचवें स्थान पर जगह बनाई, जो 8.3 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ ईवी बाजार में सक्रिय है। ओला की एस1 सीरीज आकर्षक डिजाइन और प्रतिस्पर्धी प्राइसिंग के लिए जानी जाती है, हालांकि कंपनी बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन और नई माडल्स लान्च करने पर फोकस कर रही है।

आसुस ने लान्च किया इंटेल कोर 5 सीरीज 3 प्रोसेसर वाला पहला लैपटाप

नई दिल्ली। भारत में आसुस ने अपने नए वीवोबुक 15 (2026) लैपटाप को पेश किया है। कंपनी इंटेल कोर 5 सीरीज 3 प्रोसेसर के साथ देश का पहला लैपटाप होने का दावा करती है। कंपनी ने इसे अमेजन प्राइम डे और फिलपकार्ट जीओएटी सेल के दौरान विशेष रूप से बिक्री के लिए उपलब्ध कराया है। आसुस वीवोबुक 15 (2026) की शुरुआती कीमत 1,07,990 रुपये है, जो इसकी एमआरपी 1,59,990 रुपये पर 33प्रतिशत की छूट के बाद उपलब्ध है। ग्राहक नौ महीने तक की नो-कास्ट ईएमआई, बैंक आफर और एक्सचेंज बोनस का लाभ उठा सकते हैं। यह लैपटाप कूल सिल्वर, क्वाइट ब्लू और टेरा कोट्टा जैसे आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा। इस लैपटाप में 15.6 इंच का फुल-एचडी एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले है और यह 16जीबी डीडीआर 5 रैम तथा 512जीबी पीसीआईई 4.0 एसएसडी स्टोरेज के साथ आता है। इसका मुख्य आकर्षण इंटेल कोर 5 सीरीज 3 चिपसेट है, जिसमें इंटीग्रेटेड इंटेल एआई बूस्ट एनपीयू शामिल है, जो एआई संबंधित कार्यों के लिए 16 टाप्स तक की क्षमता प्रदान करता है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते में रूल्स आफ ओरिजिन लागू

नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौते (सीईटीए) को अमली जामा पहनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। वित्त मंत्रालय ने इस समझौते के तहत आयात-निर्यात सामानों की पहचान के लिए रूल्स आफ ओरिजिन (उत्पत्ति के नियम) अधिसूचित किए हैं, जो 15 जुलाई 2026 से प्रभावी होंगे। इसके बाद कोई तीसरा देश भारत-ब्रिटेन व्यापार रियायतों का गलत फायदा नहीं उठा सकेगा।

रूल्स आफ ओरिजिन वह कानूनी पैमाना है जो तय करता है कि कोई उत्पाद वास्तव में किस देश में बना है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की अधिसूचना के अनुसार, समझौते के तहत टैक्स छूट का लाभ पाने के लिए सर्टिफिकेट आफ ओरिजिन अनिवार्य होगा। इसे दोनों देशों की अधिकृत एजेंसियां ही जारी कर सकेंगी। यह ढांचा सुनिश्चित करेगा कि तीसरे देशों के उत्पाद गलत तरीके से रियायती शुल्कों का लाभ न उठाएं और द्विपक्षीय व्यापार की ईमानदारी बनी रहे।

इस नए नियम से किन उद्योगों को सबसे अधिक फायदा होने की उम्मीद है

यह ऐतिहासिक समझौता (सीईटीए) ब्रिटेन को होने वाले भारत के 99 प्रतिशत निर्यात पर पूरी तरह से शुल्क-मुक्त (ड्यूटी-फ्री) पहुंच सुनिश्चित करता है। टैक्स की इस बचत से भारत के श्रम-गहन क्षेत्रों को भारी बढ़ावा मिलेगा। इनमें प्रमुख रूप से कपड़ा (टेक्सटाइल), समुद्री उत्पाद, चमड़ा, जूते-चप्पल, खेल के सामान, खिलौने और रत्न एवं आभूषण शामिल हैं। इसके अलावा आटो पार्ट्स, इंजीनियरिंग सामान और आर्गेनिक केमिकल्स जैसे तेजी से बढ़ रहे क्षेत्रों के लिए भी नए अवसर खुलेंगे। भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय व्यापार के ताजा आंकड़े और व्यापार संतुलन क्या कहते हैं दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार लगातार बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह व्यापार 23.13 बिलियन डालर था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 8.62 प्रतिशत बढ़कर 25.12 बिलियन डालर तक पहुंच गया। द्विपक्षीय व्यापार में भारत की स्थिति मजबूत है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने ब्रिटेन को 13.44 बिलियन डालर का निर्यात किया, जबकि वहां से 11.68 बिलियन डालर का आयात हुआ। इस प्रकार भारत का ट्रेड सरप्लस (व्यापार अधिशेष) 1.76 बिलियन डालर रहा, जो नई व्यापार व्यवस्था में और बढ़ सकता है।

दुरुपयोग रोकने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसमें क्या कड़े प्रावधान हैं - विशेषज्ञों के अनुसार, नियमों की यह रूपरेखा समझौते को पारदर्शी और प्रभावी बनाएगी। हालांकि, यह भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी जिम्मेदारी भी लाती है। टैक्स रियायतों का लाभ उठाने के लिए उत्पादों को कड़े मूल मानकों पर खरा उतरना होगा। विशेषज्ञों की सलाह है कि भारतीय कारोबारियों को अपनी पूरी सप्लाई चेन, मूल्यवर्धन और कच्चे माल की खरीद से जुड़े दस्तावेजों की बारीकी से समीक्षा करनी होगी, क्योंकि इन नियमों का कड़ाई से अनुपालन ही शुल्क लाभों की कुंजी है। 15 जुलाई से लागू हो रहे ये नियम द्विपक्षीय व्यापार में पारदर्शिता के नए युग की शुरुआत हैं। अब भारतीय कंपनियों के लिए असली परीक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने की होगी। जो कंपनियां अपनी सप्लाई चेन की लिखा-पढ़ी और मूल्यवर्धन मानकों को दुरुस्त रखेंगी, उनके लिए ब्रिटेन के रूप में एक समृद्ध बाजार बिना किसी रुकावट के खुला रहेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमत का रहस्य, सरकार और बाजार विश्लेषकों के दावे क्यों अलग

विशेषज्ञ बोले : 10 रुपये प्रति लीटर का मुनाफा कमा रही कंपनियां

सरकार और अधिकारी बोले: डीजल पर 24, पेट्रोल पर 3 रुपये का नुकसान बरकरार

नई दिल्ली

भारत में पेट्रोल और डीजल की बिक्री से होने वाले लाभ या हानि को लेकर सरकार और बाजार विशेषज्ञों की राय अलग-अलग है। जहां एक ओर ब्रोकरेज फर्म डीएएम कैपिटल का अनुमान है कि तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) प्रति लीटर 10 रुपए का मुनाफा कमा रही हैं, वहीं सरकार का कहना है कि उन्हें डीजल पर 24 रुपए और पेट्रोल पर 3 रुपए प्रति लीटर का राजस्व नुकसान हो रहा है। यह बड़ा अंतर ईंधन की लागत और खुदरा कीमतों की गणना के तरीकों को लेकर उपजा है। डीएएम कैपिटल की एक रिपोर्ट बताती है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगभग 73 डालर प्रति बैरल है, तब भारत की सरकारी ओएमसी पेट्रोल और डीजल की प्रत्येक लीटर बिक्री पर लगभग 10 रुपये का लाभ कमा रही हैं। आईसीआरए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि 72 डालर प्रति बैरल पर मार्केटिंग मार्जिन सकारात्मक होना चाहिए। इसके विपरीत सरकार और तेल रिफाइनिंग क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी इस दावे को खारिज करते हैं। उनका कहना है कि कंपनियों को अब भी डीजल पर प्रति लीटर 24 रुपये और पेट्रोल पर 3 रुपये प्रति लीटर का राजस्व नुकसान हो रहा है।

नुकसान अप्रैल के मुकाबले काफी कम: हालांकि, यह नुकसान अप्रैल के मुकाबले काफी कम है, जब डीजल पर 100 रुपये और पेट्रोल पर 20 रुपये प्रति लीटर का घाटा हो रहा था। इस कमी की एक वजह अमेरिकी-ईरान युद्धविराम और सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल के दाम में 8 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि भी मानी जा रही है। इन कदमों से पेट्रोल पंपों पर मिलने वाले दाम उस स्तर पर आ गए हैं जो 100 डालर प्रति बैरल कच्चे तेल के हिसाब से होने चाहिए। हालांकि, विवाद का मुख्य कारण गणना के तरीकों में अंतर है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट किया है कि आज जो ईंधन बिक रहा है, वह करीब दो महीने पहले, उस वक्त की ऊंची कीमतों पर खरीदे गए कच्चे तेल से बनाया गया है। वहीं तेल रिफाइनिंग क्षेत्र के अधिकारियों का तर्क है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें सीधे कच्चे तेल की कीमत से नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तैयार पेट्रोल और डीजल (जैसे दुबई और सिंगापुर बेंचमार्क) की कीमतों, समुद्री परिवहन लागत और रुपये-डालर विनिमय दर पर आधारित होती हैं। खुदरा बिक्री पर नुकसान का हिसाब अभी भी बाकी: एक सरकारी रिफाइनरी कंपनी के वित्त अधिकारी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों के खुदरा बिक्री पर हुए नुकसान का हिसाब अभी भी बाकी है। तेल मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने भी कहा है कि खुदरा कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों को ध्यान में रखकर तय होंगी। जब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार ईंधन की कीमतें कम नहीं होंगी, तब तक ओएमसी को राजस्व नुकसान होता रहेगा।

अब डूरंड कप में खेलते दिखेंगे अभिनेता टाइगर श्राफ

कोलकाता

बालीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ अब एक नई पारी शुरु करने जा रहे हैं। टाइगर इसी महीने 25 जुलाई से शुरु हो रहे डूरंड कप फुटबाल में खेलते नजर आयेंगे। टाइगर फिल्मों के साथ ही खेल के भी दीवाने रहे हैं और फुटबाल के प्रति उनका प्यार समय-समय पर देखा गया है। इस बार वह पेशेवर फुटबालर के रूप में नई पारी की शुरुआत करने की तैयारी में हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर डूरंड कप में मुंबई एफसी की ओर से खेल सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वहीं माना जा रहा है कि उनके प्रशंसक जल्द ही उन्हें मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा दिखाते हुए देखेंगे।

टाइगर का फुटबाल के प्रति प्रेम किसी से छिपा नहीं है। उन्हें अभिनय के अलावा फुटबाल और वालीबाल खेलना बेहद पसंद है। वे सिर्फ शौकिया तौर पर ही नहीं, बल्कि लंबे समय से स्थानीय स्तर के क्लबों के लिए फुटबाल खेलते रहे हैं। बालीवुड के सबसे फिट अभिनेताओं में शामिल टाइगर, अक्सर सोशल मीडिया पर फुटबाल खेलते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं, जो उनके इस जुनून को दिखाता है। उनका शारीरिक कौशल और खेल प्रेम उन्हें फुटबाल के मैदान पर भी एक मजबूत दावेदार बनाता है।

गौरतलब है कि टाइगर फुटबाल में फारवर्ड पोजीशन पर खेलते हैं और उनके पास पहले से ही पेशेवर लीग में खेलने का अनुभव है। उन्होंने साल 2024 में मुंबई प्रीमियर लीग (एमपीएल) में मुंबई एफसी के लिए डेब्यू किया था, जहां वे क्लब के मार्की प्लेयर रहे। बाम्बे जिमखाना के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में टाइगर ने टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वे मुंबई प्रीमियर लीग के 2024-2025 सत्र के दौरान टीम से जुड़े रहे और इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए कुल तीन घरेलू लीग मैच खेले।

एक तरफ जहां टाइगर अपनी खेल प्रतिभा से सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं उनके वर्क फ्रंट पर भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। उनकी आगामी फिल्मों में रैंबो, लग जा गले और हिटमैन जैसी एक्शन ड्रामा फिल्में शामिल हैं, जिनकी रिलीज का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनकी आखिरी रिलीज बागी-4 थी, जो सितंबर 2025 में आई थी और बाक्स आफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। हालांकि, टाइगर ने ऋतिक रोशन के साथ वार और अपनी सोलो फिल्म बागी-2 जैसी ब्लाकबस्टर फिल्में भी दी हैं, जिन्होंने उन्हें बालीवुड के सफल एक्शन स्टार्स में से एक बनाया है।बड़े पर्दे के एक्शन से लेकर फुटबाल के हरे मैदान तक, टाइगर का यह नया कदम उनके बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता है।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्वकप : फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

फिलाडेल्फिया। स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे के शानदार गोल से फ्रांस ने एक रोमांचक मुकाबले में पराग्वे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार फीफा विश्वकप फुटबाल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। एम्बाप्पे ने अपने प्रदर्शन से एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित की है। इस मैच में पराग्वे ने भी साहसिक प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के खिलाफ जबरदस्त संघर्ष किया। जिससे फ्रांसीसी टीम के लिए गोल दागना कठिन रहा। इस मैच में 70वें मिनट तक दोनों ही टीमें गोल नहीं कर पायी। इसी दौरान पराग्वे के डिएगो गोमेज के फाउल से फ्रांस को पेनल्टी मिली। जिसपर गोल दागने में एम्बाप्पे ने कोई गलती नहीं की। इससे फ्रांस टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी। यह विश्वकप में एम्बाप्पे का 19वां गोल रहा, और उन्होंने यह अहम उपलब्धि केवल 19 मैचों में ही हासिल कर ली। अब वह अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी से एक गोल ही पीछे हैं। मेसी के नाम 20 गोल हैं। ऐसे में अगले मैच में उनके पास मेसी को पीछे छोड़ने का अवसर है। एम्बाप्पे ने अब तक 7 गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में शीर्ष पर हैं। मेसी ने भी हालांकि 7 गोल किए हैं पर एम्बाप्पे के नाम इस विश्वप कप में दो गोल करने में सहायता करने का रिकार्ड भी है। जो उन्हें इस दौड़ में आगे रखते हैं।

सऊदी क्लब के अल-नासर क्लब के नये कोच बने आस्ट्रेलिया के पोस्टेकोग्लू

रियाद। सऊदी अरब के शीर्ष फुटबाल क्लब अल-नासर ने पुर्तगाली कोच जार्ज जीसस की जगह

आस्ट्रेलिया के एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबाल टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। क्लब ने कहा कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का करार किया गया है। यह नियुक्ति क्लब के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। इससे वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति को और मजबूत करेगा। अल-नासर के आधिकारिक बयान में इस बदलाव को एक नए युग के रूप में पेश किया गया है। बयान में कहा गया, एक नए अध्याय की शुरुआत। पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबाल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका करार दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं। यह स्पष्ट करता है कि क्लब प्रबंधन को पोस्टेकोग्लू के नेतृत्व में भविष्य को आकार देने की उम्मीद है, जिसमें एक नई ऊर्जा और दृष्टिकोण लाने की क्षमता होगी। वहीं नये कोच पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी और रोमांचक चुनौती स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ मिलकर टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना होगा। रोनाल्डो, जो एक दिग्गज आइकन हैं, टीम की प्रेरणा और स्कोरिंग क्षमता का केंद्र हैं। पोस्टेकोग्लू को सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे विश्व स्तरीय स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देनी होगी, जो अपनी प्रतिभा और अनुभव से टीम को सशक्त करते हैं।

वैभव ने शुभचिंतकों का आभार जताया, बोले आप के संदेशों से अभिभूत हूं

मेनचेस्टर। सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले भारतीय बल्लेबाज बनकर वैभव

सूर्यवंशी बेहद खुश हैं। केवल 15 साल 99 दिन की उम्र में भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले वैभव ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी भावनाएं प्रकट की हैं। वैभव ने इस मैच में 10 गेंद पर केवल 14 रन बनाये पर इस दौरान उनकी बल्लेबाजी देखकर वह अपनी उम्र से कहीं बढ़कर परिपक्व और कुशल बल्लेबाज दिखे। इस उभरते हुए बल्लेबाज ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों का दिल जीत लिया। उनका यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने पर गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। वैभव ने लिखा, आप सभी के संदेशों से मैं अभिभूत हूं। मैं अपने सीनियर खिलाड़ियों और शुभचिंतकों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे इतना प्यार और समर्थन दिया। मैं आभारी हूं कि मुझे अपने देश के लिए प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। मैं हमेशा कोशिश करूंगा कि मैं अपनी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूं। एक बार फिर से आप सभी का बहुत-बहुत आभार । इस संदेश से उनकी विनम्रता और देश के प्रति समर्पण साफ झलक रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए दूसरे मैच में, वैभव ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। यह उनके लिए किसी सपने से कम नहीं था, खासकर तब जब उन्होंने जोफ्रा आर्चर जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का सामना करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगा दिया।

क्या विंबलडन में बदल रही है चैंपियनों की किस्मत स्वियातेक बाहर, दिमित्रोव-कीज ने बचाई उम्मीदें

लंदन

विंबलडन 2026 में लगातार ऐसे नतीजे सामने आ रहे हैं, जिन्होंने टेनिस प्रशंसकों को चौंका दिया है। महिला एकल में जहां मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक का सफर तीसरे दौर में ही खत्म हो गया, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ग्रिगोर दिमित्रोव और मैडिसन कीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दौर में जगह बना ली। बड़े उलटफेर और रोमांचक मुकाबलों ने इस बार के विंबलडन को और दिलचस्प बना दिया है।

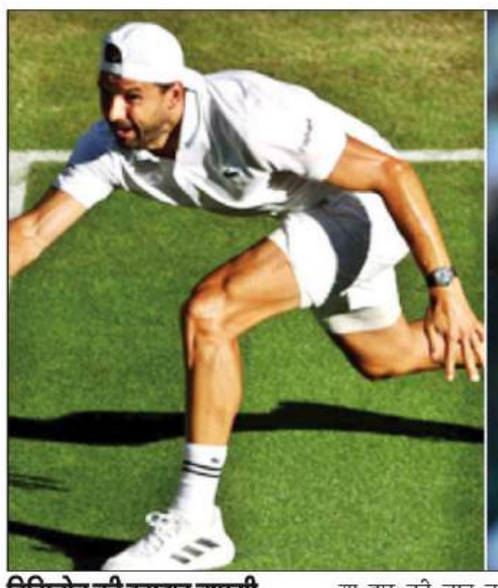

एलेक्जेंड्रा एला ने रचा इतिहास, स्वियातेक को किया बाहर

21 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-6(9), 6-2 से हराया। पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट प्वाइंट बचाने के बाद एला ने पूरे मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया।

इस जीत के साथ वह ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गई। पिछले कुछ महीनों से शानदार फार्म में चल रही एला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने का दम रखती हैं। अब उनका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी से होगा।

दिमित्रोव की दमदार वापसी, पांच सेट तक चला रोमांच

पुरुष एकल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने इटली के माटेओ बेरेटिनी को 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। तीन घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में दिमित्रोव ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीत लिए थे, लेकिन बेरेटिनी ने शानदार वापसी कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।

निर्णायक सेट में दिमित्रोव ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण समय पर सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत दर्ज की। मैच के बाद उन्होंने कहा, पिछले साल की निराशा के बाद इस कोर्ट पर जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद खास है। यह सिर्फ जीत या हार की बात नहीं है, बल्कि हर चुनौती को पार करने के बारे में है। अब चौथे दौर में उनका सामना ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी से होगा।

मैडिसन कीज ने दिखाई चैंपियन जैसी वापसी

महिला एकल में अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने पहला सेट गंवाने के बावजूद अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कीज की यह लगातार 10वीं ग्रास कोर्ट जीत रही और वह करियर में छठी बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची हैं।

अनिसिमोवा ने पहले सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में सात डबल फाल्ट उनकी हार की बड़ी वजह बने। दूसरी ओर कीज ने अपने दमदार बेसलाइन शाट्स और सटीक सर्विस के दम पर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

खिताब की दौड़ हुई और रोमांचक

स्वियातेक और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना के बाहर होने से महिला वर्ग पूरी तरह खुल गया है। वहीं दिमित्रोव और कीज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार विंबलडन में अनुभव और धैर्य भी खिताब की दौड़ में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। चौथे दौर के मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अब और रोमांचक होने की उम्मीद है।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ कमजोरी से प्रभावित हो रही तिलक की बल्लेबाजी : रिपोर्ट

मुम्बई

एशिया कप में शानदार बल्लेबाजी के बाद स्टार बने युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अगर वह इंग्लैंड के खिलाफ वर्तमान सीरीज में रन नहीं बना पाये तो उनके लिए टीम में अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। तिलक अभी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं पर प्रभावित नहीं कर पाये हैं। उनकी सबसे बड़ी कमजोरी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ स्ट्राइक रेट कम होना है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए पहले टी20 मैच में तिलक ने 13 गेंदों में केवल 13 रन बनाए। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने तिलक के खिलाफ स्पिनरों को उतारकर उन्हें रनों के लिए तरसा दिया। वहीं आईपीएल में भी यह देखने को मिला था कि जब तिलक बल्लेबाजी के लिए आते थे, तो विरोधी टीमें स्पिन गेंदबाजों को ले आती थीं, जिससे रन रेट पर अचानक ब्रेक लग जाता था।

स्पिन के खिलाफ तिलक की यह कमी अब टीम इंडिया के लिए एक गले की फांस बनती जा रही है। तिलक ने इंग्लैंड दौरे पर जाने से पहले 8 पारियों में स्पिन के खिलाफ सिर्फ 100 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। जबकि टी20 में उनका ओवरआल स्ट्राइक रेट 142.7 है, स्पिन के सामने यह घटकर 126.2 हो जाता है। स्पिन के खिलाफ तिलक के इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें नंबर-5 पर उतारना कई विशेषज्ञों के लिए हैरानी वाला रहा है। ये भी ध्यान देने योग्य है कि उनका यह स्ट्राइक रेट खास तौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए गिरा है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि तिलक वर्मा का बल्ला हर स्थिति में खामोश रहता है। उन्होंने तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है।

छठे और सातवें नंबर पर भी उन्होंने फिनिशर की भूमिका निभाई है, जहां उनका स्ट्राइक रेट 200 से भी अधिक रहा है, और उन्होंने कई मैच अपनी टीम के पाले में किए हैं। टाप आर्डर में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने यह एक बड़ी सिरदर्दी बन गई है कि तिलक को किस बल्लेबाजी क्रम पर उतारा जाए - क्या उन्हें ऊपर भेजा जाए, पांचवें नंबर पर ही रखा जाए, या फिर उनकी खराब फार्म को देखते हुए उन्हें टीम से बाहर करने पर विचार किया जाए।

प्रज्ञानंद ने मारी बाजी; लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की। अन्य खिलाड़ी भी प्रज्ञानंद और अलीरेजा के करीब पहुंच चुके हैं इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।

12 दिसंबर को चेन्नई में खेला जा सकता है बीबीएल का पहला मुकाबला

मुम्बई

भारत में पहली बार आस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले आयोजित किए जा सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अनुसार, 12 दिसंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कार्चर्स के बीच बीबीएल का पहला मुकाबला खेला जा सकता है। वहीं ये भी अटकलें हैं कि भारत में इस लीग के आयोजन को लेकर क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। यदि दोनों बोर्ड के बीच सहमति बन जाती है तो तो यह भारतीय धरती पर खेला जाने वाला आस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग का पहला आधिकारिक मुकाबला होगा। यह कदम भारत और आस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते खेल और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

गौरतलब है कि सीए इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर पिछले कई महीनों से सक्रिय रूप से काम कर रहा है। फरवरी में सीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत का दौरा किया था, जिसके बाद एक पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने चेन्नई पहुँचकर एमए चिदंबरम स्टेडियम का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने बीसीसीआई

और तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) के अधिकारियों के साथ भी बातचीत की थी। और रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों भारतीय संस्थाओं ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। यह दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट समुदाय इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों को लेकर उत्साहित है। इस ऐतिहासिक मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स को घरेलू टीम माना जाएगा, और फ्रैंचाइजी बिग बैश लीग का पहला विदेशी लीग मुकाबला भारत में आयोजित करने के लिए अपने नियमित घरेलू मुकाबलों में से एक को छोड़ने पर सहमत हो गई है। यदि यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होता है, तो यह भारत और आस्ट्रेलिया के क्रिकेट संबंधों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही, यह भविष्य में अन्य विदेशी फ्रेंचाइजी लीग मुकाबलों के भारत में आयोजन का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली

एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

क्या जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास - मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया,

हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई है - फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग की शुरुआत भारत के लिए मुश्किल रही थी - राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।

यूरोप चरण में बदली भारत की तस्वीर - यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। राटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कार्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा - होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

टीम के सभी विभागों का प्रदर्शन रहा संतुलित - हरमनप्रीत ने कहा कि इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह रही कि टीम के हर विभाग ने योगदान दिया। रक्षा पंक्ति ने मजबूती दिखाई, मिडफील्ड ने खेल पर नियंत्रण रखा और फारवर्ड खिलाड़ियों ने सर्कल के भीतर मौके बनाकर कई फील्ड गोल किए।

शैंपू में चीनी मिलाना फायदेमंद!

ये तो सभी जानते हैं कि शुगर हमारी बॉडी के लिए अच्छी नहीं है लेकिन एक एक्सपर्ट का कहना है कि ये बालों के लिए बहुत अच्छी है। स्किन स्पेशलिस्ट डॉ फ्रांसिस्का का मानना है कि शैंपू में चीनी मिलाने से बालों को क्लीन करने और हेल्दी रखने में मदद मिलती है। मैरी क्लेयर ने बताया कि एक चम्मच चीनी को शैंपू में मिलाने से स्काल्प को अच्छी तरह से साफ करने में मदद मिलती है। ऐसा करने से ना सिर्फ बालों की चिपचिपाहट को आसानी से दूर किया जा सकता है बल्कि ये डेड स्किन सेल्स को भी हटा देता है। अगर आप स्काल्प को बेहतर तरीके से क्लीन करना चाहते हैं और बालों को मॉइस्चर देना चाहते हैं तो आपको शैंपू में चीनी का इस्तेमाल करना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, मॉइस्चराइजिंग शैंपू में चीनी का इस्तेमाल हर चौथे वॉश में करें इससे स्काल्प पर पपड़ी भी नहीं जमेगी।

ऐसे दिनभर रहेगी परफ्यूम की खुशबू

आप अपने फेवरेट परफ्यूम की खुशबू दिनभर बरकरार रखना चाहते हैं तो आपको एक छोटी सी ट्रिक अपनानी होगी। जब सुबह आप घर से बाहर निकलो तो आप कॉन्फिडेंड महसूस करो, इसके लिए आपको परफ्यूम लगाने का तरीका बदलना होगा। आपको परफ्यूम के साथ ही वैसलीन की जरूरत होगी। जी हां, आप गर्दन, हाथ या बॉडी के जिस भी हिस्से पर परफ्यूम लगाते हैं वहां पर वैसलीन की हल्के हाथ से मसाज करें। वैसलीन की मसाज के बाद उन जगहों पर परफ्यूम स्प्रे करें जहां आपने वैसलीन लगाई हैं। इस ट्रिक से आपके परफ्यूम की खुशबू दिनभर बरकरार रहेगी। दरअसल, वैसलीन मेकअप की तरह काम करता है। ये परफ्यूम की तरोताजा खुशबू को लॉक कर लेता है। परफ्यूम ड्राई स्किन पर उतनी बेहतर तरीके से परफॉर्म नहीं करता।

तेल के बिना भी सिर की मालिश...

तेल के बिना भी सिर की मालिश बालों की मालिश का मतलब ये नहीं कि आप किसी तेल या जैल का ही इस्तेमाल करें, बिना तेल के भी मालिश करके आप कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं। चलिए जानते हैं सिर की मालिश के कुछ ऐसे फायदों के बारे में जिसके बाद आप भी झटपट मसाज करवाने की सोचेंगे। सिर में दर्द हो या कोई टेंशन हो, बालों की मालिश से सिर दर्द की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता है। तनाव दूर करने और थकान मिटाने में भी चंपी फायदेमंद होती है। बालों संबंधित समस्याओं को दूर करने, बालों को मजबूत बनाने और बालों को खूबसूरत बनाने के लिए भी चंपी फायदेमंद हैं। आपको नींद ना आने की बीमारी है या फिर बेहतर नींद लेना चाहते हैं तो आपको बालों की मसाज करवानी चाहिए। अगर आप अपने काम पर फोकस नहीं कर पा रहे हैं तो आपको बालों की मालिश करनी चाहिए।

जानिए शरीर पर एल्कोहल रगड़ने के कई फायदे

शराब पीना सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है लेकिन इसे शरीर पर रगड़ने से काफी फायदा होता है। घाव को जल्दी भरने के लिए उस पर एल्कोहल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा शराब को बॉडी पर रगड़ने से कई बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है। आइए जानिए किन बीमारियों में एल्कोहल को शरीर पर रगड़ना चाहिए।

कान में पानी जाना

नहाते समय या स्विमिंग करते वक्त कई बार कान में पानी चला जाता है जिससे कान में खुजली और इंफैक्शन हो जाता है और दर्द होने लगता है। ऐसे में एल्कोहल की बूंदों को कान के पास रगड़ना चाहिए । जिससे कान के अंदर पानी सूख जाएगा। इसके अलावा एल्कोहल में सिरका मिक्स करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लाल निशान

बुखार या किसी और वजह से होंठ, नाक के नीचे या ठोडी के असापास लाल चकते हो जाते हैं जिससे काफी दर्द होता है। इसके लिए त्वचा के उस हिस्से पर एल्कोहल लगा लें और 10 मिनट के बाद पानी से धोएं। 2-3 दिन लगातार ऐसा करने से फायदा होगा।

घाव

कई बार चोट लगने की वजह से घुटने या कोहनी पर हल्की चोट लग जाती है जिसके लिए डॉक्टर के पास जाना जरूरी नहीं होता। ऐसे में कॉटन पर एल्कोहल लगाकर घाव पर लगाएं और 10 मिनट के लिए ऐसा ही छोड़ दें। इससे इंफैक्शन नहीं होगी और घाव भी जल्दी भरेगा।

मांसपेशियों में दर्द

मांसपेशियों में दर्द होने पर दवा खाने की जगह एल्कोहल का इस्तेमाल करें। इसके लिए दर्द वाली जगह पर एल्कोहल रगड़ें। 1 घंटा लगा रहने के बाद इसे पानी से धो लें। इससे दर्द कम हो जाएगा।

खराब नाखुन

कई बार इंफैक्शन की वजह से हाथ या पैर पर फंगस की समस्या हो जाती है। ऐसे में नाखुनों का रंग सफेद या पीला पड़ जाता है और नाखुन कठोर हो जाते हैं। इसके लिए कॉटन पर एल्कोहल डालें और इसे नाखुनों पर लगाएं। आधा घंटा कॉटन को नाखुन पर ही रहने दें और फिर धोकर अच्छे से पौंछ लें। इससे फंगस इंफैशन ठीक हो जाएगा।

प्राकृतिक प्यूरीफायर से घर की हवा को बनाएं जीवनदायी

वायु प्रदूषण की वजह से शहर ही नहीं बल्कि गांवों का भी जीवन स्तर प्रभावित होता जा रहा है। जो लोग स्वस्थ हैं उनमें भी दिल और फेफड़े से संबंधित बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है। लेकिन घर के बाहर से ज्यादा घर के अंदर प्रदूषण होता है, जिससे हमें शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। घर से निकलने पर तो लोग मास्क का प्रयोग कर लेते हैं, और घर में एयर प्यूरीफायर लगवा लेते हैं। मगर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो मंहगा होने के कारण एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद पाते, तो उनके लिए प्राकृतिक एयर प्यूरीफायर बेहतर विकल्प हो सकता है। जी हां, कुछ पेड़-पौधे ऐसे होते हैं जो हमारे लिए प्राकृतिक रूप से हवा को शुद्ध करते हैं, जिन्हें घर में लगाकर आप अपने घर की हवा को शुद्ध कर सकते हैं। आइए इस लेख में जानते हैं उन पौधों के बारे में...

रबर प्लांट

इसका बॉयोलॉजिकल नाम फाइकस इलेस्टिका है, इसे कई नाम से जाना जाता है। रबर प्लांट आमतौर पर भारत, नेपाल, भूटान, वर्मा, चीन, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और अमेरिका के फ्लोरिडा में पाया जाता है। आमतौर पर इसे सजावटी पौधे के तौर पर जाना जाता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह घर के अंदर की वायु को प्रदूषित होने से बचाता है।

एलोवेरा (घृतकुमारी)

आमतौर पर एलोवेरा के पौधे को लोग औषधि के तौर पर देखते हैं। एलोवेरा का प्रयोग कॉस्मेटिक प्रयोग में भी लाया जाता है, ये बातें तो हर कोई जानता ही है, लेकिन एलोवेरा का पौधा हमारे आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। ये पौधा हवा को शुद्ध करता है।

स्पाइडर प्लांट

यह पौधा क्लोरोफाइटम कोमोसम नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे की खास बात यह है कि ये कई तरह के प्रदूषित तत्वों से हमें बचाता है। यह कार्बन मोनोऑक्साइड, बेंजीन, फोर्मल्डिहाइड और जायलीन जैसे जहरीले तत्वों से हमें दूर रखता है। सजावट के तौर पर इसे लोग घर में भी लगाते हैं। ऐरेका पाम प्लांट वैसे तो इस प्लांट को कहीं भी रखा जा सकता है। खासतौर पर उन घरों में जहां कारपेट होते हैं और फ्रेश पेंट किया फर्नीचर होता है। टॉक्सीन गैसों के निगेटिव इंपेक्ट को कम करता है।

बोस्टन फर्न

यह पेड़ दूसरे अन्य पेड़ों की तुलना में ज्यादा फॉर्मल्डिहाइड को साफ करता है। इसके अलावा यह बेंजीन और जायलान को भी हटाता है। बास्केट में टांगने के लिए यह बेहतर प्लांट है। इसे घर के बाहर टांग सकते हैं।

घर के पास लगाएं ये वृक्ष

पीपल, नीम, जामुन, बरगद और गूलर जैसे पौधे आसानी से उपलब्ध होते हैं ये हमें जहरीली गैसों से बचाते हैं। इसके अलावा साल, हरड़-बहेड़ा, अमलतास, बेल, रीठा, केम, साजा, ढाक, सैंबल, दूधी, लिसोढ़ा, बरगद, विश्तेंदु, खिरनी, कदंब, पिलखन, कुलू, चिलबिल, भिलमा, टीक, जैसे पेड़ प्रदूषण को रोकने में अपनी भूमिका अदा करते हैं। तो आप अपने घर के आस-पास इन पेड़ों को लगाकर वायुमंडल को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं।

पॉपुलर बॉडी मसाज, दिनभर रखती हैं एनर्जेटिक!

आपने मसाज तो कभी ना कभी करवाई होगी और मसाज के बारे में सुना भी बहुत होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं मसाज कितने तरह की होती है। जी हां, आज हम आपको मसाज के टाइप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जानिए, कौन सी मसाज किस समस्या के लिए करवाई जाती है और किस मसाज थेरेपी के क्या फायदे हैं।

स्वीडिश मसाज थेरेपी- ये सबसे पॉपुलर मसाज है जिसे सिंपली मसाज थेरेपी के नाम से भी जाना जाता है। ये मसाज मसाज लोशन या ऑयल से होती है। ये बहुत ही कोमल और आरामदायक होती है। अगर आप पहली बार मसाज करवाने जा रहे हैं तो स्वीडिश मसाज थेरेपी ले सकते हैं।

अरोमाथेरेपी मसाज- अमरोमाथेरेपी मसाज में एक या इससे अधिक सेंट प्लांट्स का इस्तेमाल होता है जिसे एसेंशियल ऑयल कहा जाता है। इस मसाज में इस्तेमाल हुए ऑयल्स बॉडी को रिलैक्स करने के साथ-साथ एनर्जी देते हैं, स्ट्रेस कम करते हैं। अरोमाथेरेपी में सबसे ज्यादा जो एसेंशियल ऑयल इस्तेमाल होता है वो है लैवेंडर।

हॉट स्टोन मसाज- टाइट मांसपेशियों को लूज करने, बॉडी को गर्म करने और बॉडी की एनर्जी बैलेंस करने के लिए हॉट स्टोन मसाज का इस्तेमाल होता है। इस मसाज के दौरान गर्म और चिकने पत्थर बॉडी के कुछ चुनिंदा हिस्सों में रखें जाते हैं। मसाज थेरेपिस्ट गर्म स्टोन को होल्ड करके भी बॉडी के कई हिस्सों में प्रेशर बनाते हैं। होट स्टोन मसाज आमतौर पर उन लोगों के लिए बेस्ट है जिनको मसल्स टेंशन हैं।

डीप टिश्यूस मसाज - ये मसाज मसल्स की डीप लेयर और कनेक्टिव टिश्यूज के लिए की जाती है। मसाज थेरेपिस्ट स्लोअर स्ट्रोक्स और फ्रिक्शन टेक्नीक से मसल्स की मसाज करते हैं। ये मसाज बेहद टाइट की जाती है। ताकि मसल्स से दर्द को दूर किया जा सके। इससे पहले की इंजरी को भी रिकवर किया जा सकता है।

शिआस्तु मसाज थेरेपी - शिआस्तु एक जापानी मसाज थेरेपी है। इस थेरेपी में अंगूठे, उंगलियों और हथेलियों के साथ एक्यूप्रेशर के रूप में दबाव डाला जाता है। हर प्वॉइंट पर एनर्जी के साथ 2 से 8 सेकेंड तक प्रेशर डाला जाता है। इससे बॉडी का बैलेंस बनाने में मदद मिलती है। इस थेरेपी के बाद बॉडी में कोई सूजन नहीं आती और ना ही दर्द होता है।

थाई मसाज- शिआस्तु थेरेपी की तरह ही थाई मसाज में भी कुछ खास हिस्सों पर एनर्जी के साथ प्रेशर से दबाव डाला जाता है। इसमें योगा की तरह बॉडी स्ट्रेच होती है। ये सबसे ज्यादा एनर्जेटिक होती है। ये तनाव कम करती है और बॉडी को फ्लैसिबल करती है।

प्रेग्नेंसी मसाज- इसे प्रीनेटल मसाज के नाम से भी जाना जाता है। ये प्रेग्नेंट महिलाओं में काफी पॉपुलर मसाज है। इस मसाज को कुछ खास एक्सपर्ट्स द्वारा ही किया जाता है। ये महिलाओं में तनाव को कम करने, स्वैलिंग कम करने, दर्द से राहत दिलाने, डिप्रेशन से बचाने और एंजाइटी दूर करने में मदद करती है। प्रेग्नेंसी मसाज को महिला की जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज भी किया जा सकता है।

रिफ्लैक्सोलॉजी- इस मसाज को फूट मसाज के नाम से भी जाना जाता है। ये सिंपल फूट मसाज से कहीं ज्यादा होती है। पैरों में अलग-अलग हिस्सों पर प्रेशर डाला जाता है। ये मसाज उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो दिनभर खड़े रहकर काम करते हैं या फिर बहुत टायर्ड रहते है या फिर जिनके पैरों में दर्द रहता है।

स्पोर्ट्स मसाज- जो लोग फीजिकल एक्टिविटीज में रहते हैं स्पोर्ट्स मसाज उनके लिए फायदेमंद होती है। ये ना सिर्फ बॉडी को रिलैक्स करती है बल्कि स्पोर्ट्स के दौरान हुई इंजरी को भी ठीक करती है। साथ ही ये खिलाड़ी को परफॉर्मेंस को भी बेहतर करने में मदद करती है। बॉडी में लचीलापन बढ़ाने से लेकर ये मसाज मसल्स की स्टिफनेस को भी खत्म करती है।

मानसून में घूमने जा रहे हैं तो आपके काम की 10 बातें

सिंथेटिक कपड़े रखें ज्यादा

सिंथेटिक कपड़े आसानी से सूख जाते हैं और प्रेस किए बिना भी कैरी किए जा सकते हैं। इसलिए मानसून में सफर पर जाते समय ज्यादा से ज्यादा ऐसे कपड़े ही पैक करें।

दवायें रखें साथ

इस मौसम में पेट और स्किन की प्राब्लम्स बहुत होती हैं, साथ ही भीगने से सर्दी जुकाम और बुखार भी होने का खतरा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि कि आप सामान के साथ कुछ एंटी सेप्टिक क्रीम और जरूरी दवायें साथ रख लें।

स्ट्रीट फूड खाने से बचें

स्ट्रीट फूड को विशेष तौर पर अवॉइड करें। इससे गैस, अपच और डिहाइड्रेशन जैसी प्राब्लम्स हो सकती हैं। ज्यादा ऑयली खाना खाने से भी बचें। ठंडे और लिक्वेड फूड जूस, तरबूज खाना प्रिफर करें। पानी भी सोच समझ कर पिएं। अगर आप आसपास के इलाके में ही जा रहे हों तो पानी साथ ही लेकर जाए।

वाटर प्रूफ बैग पैक

अपना सामान हमेशा वाटर प्रुफ बैग्स में पैक करें ताकि अगर अचानक बारिश का सामना करना पड़े तो सामान भीगने से बचा रहे। इसके अलावा अतिरिक्त तौलिए और टिशूज रखना ना भूलें।

मौसम के बारे में रखें जानकारी

अपने डेस्टिनेशन पर पहुंच कर घूमने निकलने के पहले मौसम की जानकारी कर लें। इसके लिए वेदर रिपोर्ट्स और भविष्यवाणियों के बारे में पता रखें।

हेयर ड्रेसर साथ रखें

गीले बाल बीमारी का बहुत बड़ा कारण बन सकते हैं और बारिश में बाल गिरे होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इसलिए बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रेसर साथ रखें।

छाते और बरसाती

सफर पर जाते हुए छाते और बरसाती रखना भी ना भूलें।

इलेक्ट्रानिक और तकनीकी समान की देखभाल

अपने फोन, कैमरा और रिस्ट वॉच जैसे समान का पानी से बचाने के लिए कवर करने की व्यवस्था कर के चलें।

बोर्ड गेम और किताबें

कई बार धूआंदार बारिश आपको अपने होटल रूम से निकलने का मौका नहीं देती ऐसे मौकों के लिए सामान के साथ किताबें और बोर्ड गेम जरूर रख लें ताकि बोरियत ना हो।

जूते चप्पल

बरसात के मौसम में फिसलने का डर रहता है इसलिए अपने फुटवियर ऐसे रखें जो फिसलने से बचाये। लेदर के जूते चप्पलों की बजाय रबड़ और कैनवस के बने फुटवियर लेकर चलें।

रेसिपी

रवा केसरी

सामग्री

सूजी/रवा- 1 कप
काजू- 1/3 कप
घी- 4 बड़ा चम्मच/ द कप
चीनी- 1 कप
पानी- 2 कप
हरी इलायच- 4
केसर- 12-14 धागे
दूध 2 बड़ा चम्मच

विधि

हरी इलायची के दाने निकाल कर पीस लें। 2 बड़े चम्मच गुनगुने दूध में केसर को भिगोकर अलग रख लें। एक कड़ाही में 1 छोटा चम्मच घी गरम करें अब इसमें काजू डालें और मध्यम आँच पर काजू के गुलाबी होने तक भूनें। अब काजू को निकालकर अलग रखें। उसी कड़ाही में 2 बड़े चम्मच घी गरम करके सूजी को भी दो से चार मिनट के लिए तेज आँच पर भूनें। सूजी को हल्का बस गुली बोने तक भूनें उसे निकाल कर अलग रख लें। अब चाशनी को लिए उसी कड़ाही में पानी और शक्कर को उबालें। पहले उबाल के बाद आँच को धीमा कर दें और इसमें भुनी हुई सूजी और काजू डालें। इसे अच्छी तरह से 4-5 मिनट तक मिलाएँ और सूजी को तब तक पकाएँ जब तक की यह पूरी तरह से गल जाए और पूरा पानी सोख ले। अब इसमें बाकी बचा 2 बड़े चम्मच घी, और साथ में केसर का दूध डालकर सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएँ। पिसी इलायची से सजाकर, गरमागरम परोसें इस स्वादिष्ट हलवे को।

हरे मटर की बर्फी

सामग्री

पिसी मटर- एक कप दरदरा
नारियल का बुरादा- आधा कप
पिसी शक्कर- आधी कप
दूध की पाउडर- एक चौथाई
इलाइची का पाउडर- आधी छोटी चम्मच
घी- एक बड़ा चम्मच
बादाम के टुकड़े - एक बड़ा चम्मच
घी बर्तन में लगाने के लिए- एक छोटी चम्मच

विधि

नॉन स्टिक कड़ाही में घी डाल कर गर्म कर लें । उसके बाद इसमें पिसी मटर डाल कर सुनहरा होने तक भूनें। पिसी शक्कर, दूध का पाउडर, इलायची पाउडर, नारियल का बुरादा डाल कर सूखने तक भूनें। एक समतल थाली में घी लगाकर उसे पहले चिकना कर लें। अब इसमें सारा मिश्रण डालकर बराबर से फैला दें। उपर से बादाम के टुकड़े डाल के दबा दें, जिससे वह बर्फी में चिपक जाए। अब इसे पूरी तरह से ठंडा होने पर मनचाहे आकार में काट लें और परोसें।

किचन की बदबू को दूर करें ये घरेलू उपाय

किचन में खाना बनाने के कुछ समय बाद बदबू आने लगती है। ऐसे में जी मचलाने लगता है। कई बार घर पर आए मेहमानें को भी इससे परेशानी होती है। इससे घर का वातावरण भी कुछ समय के लिए खराब हो जाता है। आज हम आपको किचन की बदबू दूर करने के कुछ टिप्स बताएगें।

1. नींबू पानी : अगर घर में किसी भी जगह से बदबू आती है तो वहां नींबू पानी से भरी कटोरी रख दें।

2. सिरका : किचन की सेल्फ को साफ करते समय कुछ बूंद सिरके की डाल लें। इससे इस्तेमाल से किचन की बदबू दूर भाग जाती है।

3. संतरे के छिलके का पानी : बर्तन में 1 कप पानी उबालने के लिए रख दें। फिर उसमें संतरे के छिलके और दालचीनी मिक्स करें। इससे बजबू खतम हो जाएगी।

4. बेकिंग सोडा : इसे आप खाना बनाने वाली जगह पर छिड़क दें। इससे जलने की बदबू नहीं आएगी।

5. शूगर सोप : सी फूड बनाने के हबाद किचन और हाथों से बदबू आने लगती है। इसकी बदबू दूर करने के लिए शूगर सोप से हाथ धो लें।

6. टोस्ट : रसोई में अक टेस्ट खुला रख दें। इससे दुर्गंध चली जाएगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**